शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 255 | गुवाहाटी | मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे हुए तो चुनाव आयोग होगा जिम्मेदार पेज 2
लखीमपुर लोस क्षेत्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए आयोजित रैली... पेज 3
भारत को राम राज्य बनने के लिए अब कोई नहीं रोक सकता पेज 5
बुंडेसलिगा में बेयर लेवरकुसेन की खिताबी जीत पेज 7

लोस चुनाव : ईसीई ने जब्त किए 4650 करोड़

75 साल के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। लोकसभा और चार विधानसभा चुनावों को धन और प्रलोभन से मुक्त रखने के लिए चुनाव आयोग की चौकसी के साथ देश भर में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक कुल 4650 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, मादक वस्तुएं और अन्य सामान जब्त किए हैं। आयोग की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार लोकसभा चुनावों के 75 साल के इतिहास में इस तरह की यह अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। विज्ञप्ति के अनुसार प्रवर्तन एजेंसियों ने 13 अप्रैल तक 395.39 करोड़ रुपए नकद, 489.3 रुपए मूल्य की शराब, 2068.8 करोड़ रुपए के मादक द्रव्य, 562.1 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 1142.49 करोड़ रुपए की प्रलोभन की वस्तुओं सहित कुल 4650 करोड़ रुपए की जब्ती की है। पिछले आम चुनाव की पूरी अवधि में इस तरह की जब्ती 3475 करोड़ रुपए से कुछ अधिक थी। जब्ती में 45 प्रतिशत हिस्सा नशीली दवाओं और शराब कहा है। आयोग ने कहा है कि वह नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई पर विशेष ध्यान दे रहा है। पिछले लोक सभा चुनाव के दौरान इस तरह की कार्रवाई में 844 करोड़ रुपए नकद, 305 करोड़ रुपए की शराब, 1280 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं, 987 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 60 करोड़ रुपए की प्रलोभन के लिए बांटी जाने वाली वस्तुएं पकड़ी गई थीं। राजस्थान में करीब 36 करोड़ रुपए की नकदी सहित -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र, एकसाथ चुनाव और समान नागरिक संहिता का वादा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को संकल्प पत्र नाम से पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संकल्प पत्र का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने संकल्प पत्र को 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने का मिशन बताया। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र युवा, नारी, गरीब और किसान को सशक्त करने की हमारी सोच से प्रेरित

है। भाजपा लोगों को सम्मान के साथ गुणवत्तापूर्ण जीवन और नए अवसर देना चाहती है। उन्होंने एकसाथ राज्यों एवं केंद्र में चुनाव और समान नागरिक संहिता पर जोर देते हुए अपने अगले कार्यकाल में भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई की गारंटी दी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों, पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को दोहराया। संकल्प पत्र में उल्लेखित गारंटियों को जिक्र करते हुए उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

हम मणिपुर को टूटने नहीं देंगे : अमित शाह

इंफाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव के लिए धुआंधार चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। इसी सिलसिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर पहुंचे। मणिपुर के इंफाल में अमित शाह ने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम मणिपुर को टूटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का मानना है कि पूर्वोत्तर आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। भारत विकसित तब बनेगा जब मणिपुर विकसित होगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में वापस -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : एससी ने ठुकराई विस्थापितों की वोटिंग सुविधा देने की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर से जुड़ी एक याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, याचिका में मांग की गई थी कि सर्वोच्च अदालत चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दे कि वे जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए 18,000 लोगों के लिए लोकसभा चुनाव में मतदान की व्यवस्था करे। जिन राज्यों में विस्थापित लोग रह रहे हैं, वहां-वहां चुनाव आयोग विशेष मतदान केंद्र स्थापित करे। बता दें, मणिपुर में दो लोकसभा सीट है, जहां दो चरणों में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मतदान होना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की तीन सदस्यीय पीठ ने मणिपुर निवासी नौलक खामसुअनथांग सहित अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अदालत के हस्तक्षेप के कारण मणिपुर में लोकसभा चुनाव कराने में बाधाएं आ सकती हैं।आपने अंतिम समय में याचिका दायर की है। ऐसे में क्या ही किया जा सकता है। हम इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

21 रिटायर्ड जजों ने सीजेआई को लिखा पत्र

न्यायपालिका को कमजोर करने को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के 21 रिटायर्ड जजों के एक समूह ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कुछ गुटों द्वारा सोचे-समझे दबाव, गलत सूचना और सार्वजनिक अपमान के माध्यम से न्यायपालिका को कमजोर करने की बढ़ती कोशिशों का जिक्र किया है। ये आलोचक संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित हैं और न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, रिटायर्ड जजों ने उन घटनाओं के बारे में नहीं बताया, जिनके कारण उन्हें सीजेआई को पत्र लिखना पड़ा। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : असम राइफल्स की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

सीएम की *राजनीतिक महत्वाकांक्षा* के कारण जातीय झड़पें हुईं

इंफाल। असम राइफल्स के सदस्यों ने मणिपुर में जारी हिंसा के लिए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की *राजनीतिक सत्तावाद और महत्वाकांक्षा* को जिम्मेदार ठहराया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के रुख ने कथित तौर पर संघर्ष को बढ़ा दिया है और पूर्वोत्तर राज्य में दो समुदायों के बीच विभाजन पैदा किया है। उधर कांग्रेस पार्टी ने स्थिति को *भाजपा निर्मित संकट* करार दिया है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर बढ़ते तनाव के लिए जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया है। मणिपुर में असम राइफल्स के अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए आकलन के अनुसार, दोष आंशिक रूप से राज्य सरकार का है। एक सूत्र ने द रिपोर्टर्स कलेक्टिव का हवाला देते हुए, जिसने प्रेजेंटेशन देखा था, कई नीतियों पर जोर दिया, *जिससे यह धारणा घर कर गई कि वह (बीरेन सिंह) कुकिस को निशाना बना रहे हैं।* प्रस्तुति में झड़पों के लिए *राज्य बलों के मौन समर्थन* और *कानून-व्यवस्था मशीनरी के विघटन* का भी उल्लेख किया गया। मणिपुर में शुरू में हिंसा भड़कने के बाद से अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। हिंसा का सिलसिला पिछले साल मई की शुरुआत में तब शुरू हुआ जब -शेष पृष्ठ दो पर

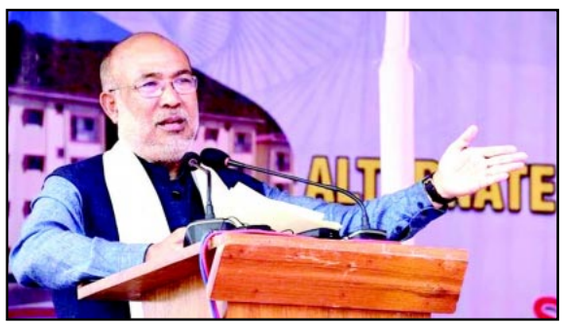

बयानों की जिम्मेदारी लीजिए, शब्दों की मर्यादा रखिए : पीएम

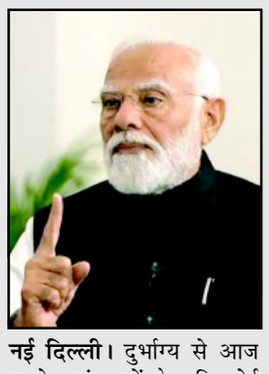

नई दिल्ली। दुर्भाग्य से आज हमारे यहां शब्दों के प्रति कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। मैंने एक नेता को कहते हुए सुना कि *एक झटके में गरीबी हटा दूंगा।* जिनको 5-6 दशक तक देश पर राज करने को मिला और वो आज कहते हैं कि एक झटके में गरीबी हटा दूंगा। ये बात पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कही। अपनी सरकार के कार्यों और विपक्ष के आरोपों से जुड़े तमाम सवालों के जवाब देने के साथ ही पीएम ने नेताओं को सबक भी दिया है। उन्होंने कहा कि नेताओं को अपने बयानों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शब्दों की मर्यादा भी रखी जानी चाहिए। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान *एक झटके में गरीबी हटा दूंगा* तंज -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर यातायात बंद

जम्मू (हि.स.)। रामबन जिले के बनिहाल में किश्तवारी पथार इलाके में भारी बारिश के कारण भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग दोनों तरफ से यातायात बंद दिया गया है। यातायात पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। भारी बारिश के कारण -शेष पृष्ठ दो पर

महंगाई में पाकिस्तान ने पूरे एशिया को पछाड़ा गरीबी में भी टॉप पर

इस्लामाबाद। आर्थिक मंदी से जूझ रहे पाकिस्तान की हालत बद से बदतर होती जा रही है। स्थिति इतनी खराब है कि महंगाई में जहां पाकिस्तान ने पूरे एशिया को पछाड़ दिया है वहीं गरीबी में भी टॉप किया है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में जीवन-यापन की लागत पूरे एशिया में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में हालात इससे भी बुरे हो सकते हैं। यही -शेष पृष्ठ दो पर

इस साल भारत में *सामान्य से अधिक* मानसून रहने की संभावना

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि इस साल भारत में *सामान्य से अधिक* मानसून रहने की संभावना है। सोमवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश में इस साल होने वाले मानसून का पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि इस बार सीजन की कुल बारिश 87 सेंटीमीटर औसत के साथ 106 प्रतिशत रहने की संभावना है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 1971 से 2020 तक के वर्षा के आंकड़ों के अध्ययन में हमने नई दीर्घकालिक औसत और सामान्य शुरुआत की है। इसके अनुसार, 1 जून से 30 सितंबर तक पूरे देश की कुल वर्षा का औसत 87 सेमी होगा। भारत में अच्छे मानसून से जुड़ी ला नीना की स्थिति अगस्त-सितंबर के बीच विकसित होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

कोर्ट ने 23 तक केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सोमवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की हिरासत की अवधि बढ़ा दी। इससे पहले उन्हें वीडियो-कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली के -शेष पृष्ठ दो पर

चर्च की प्रार्थना सभा के दौरान बिशप पर चाकू से हमला, कई लोग घायल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में चाकूबाजी की एक और दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। इस बार सिडनी में एक चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान बिशप पर हमला किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक शख्स प्रार्थना के दौरान बिशप पर चाकू से हमला करता नजर आता है। इस हमले में बिशप समेत कई अन्य लोग बुरी तरह से घायल बताए जा रहे हैं। लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिडनी के अधिकारियों का कहना है कि हमले के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना सिडनी के एक शॉपिंग मॉल में छह लोगों की चाकू मारकर हत्या किए जाने -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने इजरायल पर किया सीधा हमला जवाबी कार्रवाई के लिए आईडीएफ भी तैयार

तेहरान। ईरान ने इजरायल पर रात को दागी 200 से अधिक ड्रोन मिसाइल के बाद अब जवाबी कार्रवाई के लिए इजराइल भी तैयार है। इस बीच अमेरिका ने कहा है कि वो इजरायल का साथ देगा और इजराइल की सेना ने कहा है कि ईरान द्वारा लॉन्च ड्रोन कुछ ही घंटों में अपने लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे। इराक के सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि उन्हें ईरान से उनके देश के ऊपर उड़ते देखा गया था। इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि ईरान ने कुछ समय पहले अपने क्षेत्र के भीतर से इजराइल की ओर ड्रोन लॉन्च किए थे। आईडीएफ हाई अलर्ट पर है और ऑपरेशनल स्थिति पर लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

जी-7 देशों ने की निंदा, संयम रखने का किया आह्वान

लंदन (हि.स.)। जी-7 देशों के नेताओं ने रविवार को इजराइल पर ईरान के भीषण हमले की निंदा की और *संयम* रखने का आह्वान किया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ऑनलाइन बैठक के बाद एक्स पर लिखा कि हमने सर्वसम्मति से -शेष पृष्ठ दो पर

सलमान खान फायरिंग केस का में हुआ बड़ा खुलासा

अमेरिका में बनाई गई प्लानिंग

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर शूटिंग की घटना में एक बड़ा खुलासा हुआ है। इस फायरिंग की प्लानिंग संयुक्त राज्य अमेरिका में रची गई थी जिसके बाद रविवार सुबह करीब 5 बजे, मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने मुंबई के बांद्रा में गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर चार राउंड फायरिंग की, जहां सलमान रहते हैं, और आरोपी मौके से भाग गए। इलाके में लगे सीसीटीवी में लोगों को टोपी पहने और बैकपैक ले जाते हुए देखा गया। इसके अलावा, फुटेज में उन्हें अभिनेता के आवास की ओर गोलीबारी करते हुए दिखाया गया है। संदिग्धों में से एक ने काली जैकेट और डेनिम पैंट के साथ सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी, जबकि दूसरे ने डेनिम पैंट के साथ लाल टी-शर्ट पहन रखी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों व्यक्ति कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हिस्सा हैं। बिश्नोई वर्तमान में संगीतकार सिद्धू मूसे वाला और राजपूत नेता और करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेडी सहित कई हाई-प्रोफाइल हत्या मामलों में शामिल होने के कारण तिहाड़ जेल में हैं। सलमान खान के घर पर फायरिंग -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

तीतांबर में रोड शो करेंगी प्रियंका

जोरहाट (हिंस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को जोरहाट लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी तथा निवर्तमान सांसद गौरव गोगोई के समर्थन में चुनाव का प्रचार करने के लिए असम पहुंचेंगी। इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा जिले के तीताबर में एक घंटे के एक रोड शो कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

डीआईजी को हटाने पर भड़कीं ममता, कहा–

मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे हुए तो चुनाव आयोग होगा जिम्मेदार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का *पक्ष* लेने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना की और चेतावनी दी कि यदि राज्य में एक भी दंगा हुआ तो वह आयोग के कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरू कर देंगी। अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर मुर्शिदाबाद के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) को हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज भी, केवल भाजपा के निर्देश पर मुर्शिदाबाद के डीआईजी को बदल दिया गया। अब अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं, तो जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी। भाजपा दंगे और हिंसा भड़काने के लिए पुलिस अधिकारियों को बदलना चाहती है। अगर एक भी दंगा होता है, तो इसके लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार होगा क्योंकि वे यहां कानून-व्यवस्था की देखभाल कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह 55 दिन तक चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल करेंगी। उन्होंने कहा कि अगर मैं (सिंगुर में भूमि अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शन के दौरान)किसानों के लिए 26 दिनों तक अनशन कर सकती हूं, तो मैं आपके कार्यालय के बाहर 55 दिनों तक भूख हड़ताल भी कर सकती हूं। बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को जेल भेजने की धमकी देने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं देखूंगी कि आपके पास कितनी जेल हैं। आपके पास कितने पुलिसकर्मी हैं? आप कितने लोगों को पीटेंगे? मुझ पर कई बार हमला हुआ है। मुझे पता है कि कैसे लड़ना है। मैं कायर नहीं हूं। दिन में इसके पहले कूच बिहार में एक रैली को संबोधित करने के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयकर अधिकारियों को उन हेलीकॉप्टर की जांच करने की चुनौती दी, जिनका इस्तेमाल चुनाव प्रचार करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कर रहे हैं। ममता का यह बयान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उस दावे को लेकर उपजे विवाद के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा इस्तेमाल किए गए हेलीकॉप्टर को निशाना बनाकर आयकर अधिकारियों द्वारा *छापा* मारा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयकर अधिकारियों ने छापेमारी की और परीक्षण (ट्रायल रन) से पहले अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। उन आयकर अधिकारियों ने दावा किया कि उनके पास सूचना थी कि हेलीकॉप्टर में पैसा और सोना है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हम इस तरह की गतिविधियों में लिप्त नहीं रहते। उन्होंने कहा कि यह भाजपा है, जो इस तरह की चीजों में शामिल है। लेकिन क्या केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी कभी भाजपा नेताओं के हेलीकॉप्टर की जांच करने की हिम्मत करेंगे? तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को कहा कि उसके महासचिव अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर पर कोलकाता के बेहाला फ्लाइंग क्लब में आयकर अधिकारियों ने छापा मारा। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह उन विपक्षी उम्मीदवारों को परेशान करने और डराने-धमकाने के लिए भाजपा की सुनियोजित चाल है, जिनसे वह राजनीतिक रूप से मुकाबला नहीं कर सकती। छापा मारे जाने के संबंध में तृणमूल के दावे को लेकर उपजे विवाद पर आयकर विभाग के सूत्रों ने दावा किया कि तलाशी या सर्वेक्षण जैसी कोई कार्रवाई नहीं की गई और तृणमूल कांग्रेस के नेता हेलीकॉप्टर में मौजूद भी नहीं थे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कूच बिहार और अलीपुरद्वार, दोनों जगह भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने और चुनाव में सभी विपक्षी दलों को समान अवसर प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ के बरतला इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि, दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रुकी हुई एक स्कूटी पर तीन युवक बैठे हुए थे। इसी दौरान पीछे से एक बोलेरो पिकअप (एए-07बीसी-6708) ने जोरदार ठोकर मार दिया, जिसकी वजह से स्कूटी पर बैठे तीनों युवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को इलाज के लिए मुकालमुआ महकमा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां से डॉक्टरों ने सभी को चिकित्सा के लिए गुवाहाटी भेज दिया। गुवाहाटी के निजी अस्पताल में विकास दास (21) नामक युवक की मौत हो गई। जबकि, चिन्मय दास और सुमन हालोई का इलाज चल रहा है। सभी युवा मुकालमुआ चांदा के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बोलेरो पिकअप को जब्त कर लिया है। पुलिस मृत युवक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं, पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सरकारी नौकरी देकर किसी देश को विकसित नहीं बनाया जा सकता : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सरकारी नौकरी देकर किसी देश को विकसित नहीं बनाया जा सकता है। भारत को मेन्युफेक्चरिंग का हब बनाए, भारत को एनर्जी में आत्मनिर्भर बनाए, भारत में वर्ल्ड क्लास स्ट्रक्चर बनें। युवाओं के पढ़ने के लिए ग्लोबल जैसे एजुकेशन सेंटर बनें। भारत टेक्नालॉजी का हब बनें। मैन्युफेक्चरिंग का हब बनें। देश की सरकार जब इन सब चीजों पर काम करती है तो देश के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। वे आज जोधपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शेखावत ने कहा कि साल 2004 से 2014 के इस कालखंड में और भारत छह दशक से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष से जूंझ रहा था। भारत का आमअवाम छोटी छोटी आवश्यकताओं के लिए संघर्षरत था या सरकार के सहयोग का वर्षों से इंतजार कर रहा था।

पृष्ठ एक का शेष

लोस चुनाव : ईसीई ...

कुल 778 करोड़ रुपए की जब्ती की गई है। उसके बाद गुजरात का स्थान है जहां कुल 605 करोड़ रुपए की जब्ती की गई है इसमें 6.55 करोड़ रुपए की नकदी और 486 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं शामिल हैं। तमिलनाडु में 460 करोड़ रुपए की नकदी और अन्य चीजें, महाराष्ट्र में 431 करोड़ रुपए, पंजाब में 311 करोड़ रुपए, कर्नाटक में 281 करोड़ रुपए, पश्चिम बंगाल में 220 करोड़ रुपए और उत्तर प्रदेश में 141 करोड़ रुपए की नकदी और सामान जब्त किए गए हैं। आयोग ने कहा है कि इस काम में वृहद योजना, एजेसियों के परस्पर और एकीकृत निरोधक कार्रवाई, नागरिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी के अच्छे उपयोग से यह सफलता मिली है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने पिछले महीने चुनावों की घोषणा करते हुए धन शक्ति को स्वतंत्र और परदर्शी चुनाव के मार्ग की चार चुनौतियों में से एक बताया था। कुमार ने आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान की तैयारियों को लेकर संबंधित सभी केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ 12 अप्रैल को समीक्षा बैठक आयोजित की थी। इसमें चर्चा का एक मुख्य बिंदु प्रलोभन-मुक्त चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सख्ती, निगरानी और जांच का मुद्दा था। आयोग ने तमिलनाडु के नीलगिरी में जांच की एक घटना में कर्तव्य में ढिलाई और एक प्रमुख नेता के काफिले में शामिल वाहनों की जांच में भेदभाव बरतने के लिए उड़न दस्ते (फ्लाइंग स्क्वाड) टीम के प्रमुख को निलंबित कर दिया। जांच में सख्ती का उदाहरण देते हुए आयोग ने कहा है कि अधिकारियों ने एक राज्य के मुख्यमंत्री के काफिले में वाहनों की जांच की और एक अन्य राज्य में एक उपमुख्यमंत्री के वाहन की जांच की है। आयोग ने कहा है कि आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक लगभग 106 सरकारी कर्मियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है। इन अधिकारियों पर चुनाव प्रचार में राजनेताओं की सहायता करते हुए आचार संहिता और निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप हैं। अठारहवीं लोकसभा चुनाव के लिए सात चरणों में मतदान संपन्न कराने का काम शुक्रवार को शुरू हो रहा है। पहले चरण में 102 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। लोक सभा चुनाव के साथ ही अरुणाचल, आंध्र प्रदेश ओडिशा और सिक्किम विधान सभा के चुनाव भी कराए जा रहे हैं।

भाजपा ने जारी किया...

देश के समाजिक, डिजिटल और भौतिक ढांचागत सुविधाओं को विस्तार देने की अपनी सरकार की नीति को जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने पर राष्ट्रीय सहकारिता नीति लाई जाएगी, श्री अन्न पर बल दिया जाएगा, पश्चिमी भारत के बाद पूर्वी, उत्तरी और दक्षिणी भारत में बुलेट ट्रेन लाई जाएगी, वंदे भारत का मेट्रो, स्लीपर और चेयरकार तीन रूपों में विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने वर्तमान में जारी सरकार की योजनाओं को आगे भी जारी रखने और विस्तार देने की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ 70 वर्ष के अधिक आयु के बुजुर्गों को दिया जाएगा। योजना के तहत 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराया जा सकता है। तीन करोड़ नए घर बनाए जाएंगे। लोगों के घरों तक सस्ती पाइप के माध्यम से गैस पहुंचाई जाएगी। मुद्रा ऋण को दोगुना यानी 20 लाख किया जाएगा। तीन करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी। महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, जनजातीय गौरव दिवस, एकलव्य स्कूल, तमिल भाषा को बढ़ावा दिया जाएगा। लोगों को 80 प्रतिशत कम कीमतों पर जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं मिलती रहेंगी और गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाना जारी रहेगा। लोकसभा चुनाव-2024 के संकल्प पत्र के विमोचन के दौरान प्रधानमंत्री ने युवा, महिला, किसान और गरीब चार वर्गों से एक-एक व्यक्ति को ये संकल्प पत्र सौंपा। भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में दाल, खाद्य, तेल और सब्जियों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को जारी रखने की बात कही गई है। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधा युक्त जीवन के अवसर प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता दिखाई गई है। रियल एस्टेट से जुड़े सुधार लाकर सस्ते आवास उपलब्ध कराए जाने की भी बात कही गई है। कामकाजी महिलाओं के लिए औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र में हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा जिसमें शिशु ग्रह जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी। ट्रक चालकों के आराम और अन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाइवे पर आरामगृह बनाए जाएंगे। एक विशेष अभियान चलाकर सर्वाइकल कैंसर को दूर किया जाएगा। नारी शक्ति बंधन अधिनियम को व्यवस्थित रूप से लागू कर लोकसभा राज्य विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 या फिर 2019 में मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हर संकल्प पूरा किया है। 2019 के संकल्प पत्र में हमने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर भारत की एक संकल्पना के साथ-साथ 2047 के भारत की रूपरेखा भी रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 5 सालों में हमने संकल्पित भारत सशक्त भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य किया है। अब हम 140 करोड़ नागरिकों के सामने नया संकल्प पत्र प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र तैयार करने के लिए तीन माध्यम से सुझाव प्राप्त हुए हैं।

हम मणिपुर को ...

से शांति और पूर्वोत्तर से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए कई संगठनों के साथ शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किया है। गृह मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर में अफस्पा प्रभावित क्षेत्रों को कम कर दिया है। अमित शाह ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं है। यह उन लोगों के बीच है जो मणिपुर को विभाजित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मणिपुर की रक्षा करना चाहती है। शाह ने कहा कि पिछले 10 सालों में पीएम मोदी ने भारत को समृद्ध बनाने के साथ-साथ देश की सुरक्षा को भी मजबूत किया है। पीएम मोदी ने 75 वर्षों से उग्रवाद और नक्सलवाद से जूझ रहे पूर्वोत्तर में शांति और सद्भाव लाया है।

मणिपुर हिंसा : एससी...

कुकी और मैतेई समूहों के नेताओं ने चुनाव आयोग के साथ भी यह मुद्दा उठाया था। जिन लोगों ने राज्य के बाहर शरण ली है, उनका कहना है कि अगर मतदान की व्यवस्था नहीं हो सकती है तो उन्हें डाक मतपत्रों के माध्यम से मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए। मणिपुर के कुकी समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग से कहा था कि राज्य के बाहर रह रहे विस्थापित लोगों को वहां से मतदान करने की अनुमति दी जाए, जहां वो रह रहे हैं। उधर, एक मैतेई समूह ने भी इस बारे में चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि राज्य के बाहर रहने वाले मणिपुर के मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र की व्यवस्था की जाए। समूह से जुड़े लोगों ने कहा कि राज्य के बाहर रहने वाले मतदाताओं के लिए महंगी उड़ानें लेना असंभव है और सड़क यात्रा पूरी तरह से असुरक्षित है। इसके अलावा, चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर में समन्वयक कुकी लहैनीलम ने कहा कि हमारी मांग स्पष्ट है। हम कुकी समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन चाहते हैं। वर्षों से विकास केवल घाटी में हुआ है, लेकिन हमारे क्षेत्रों में ऐसा नहीं हुआ। पिछले साल हुई हिंसा के बाद से हम एक साथ नहीं रह सकते, जिसकी कोई संभावना ही नहीं है। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों दोनों पक्षों के बीच कोई आदान-प्रदान नहीं हो रहा है। राज्य में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या करीब 60 प्रतिशत है। ये समुदाय इंफाल घाटी और उसके आसपास के इलाकों में बसा हुआ है। समुदाय का कहना रहा है कि राज्य में म्यांमार और बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों की वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मौजूदा कानून के तहत उन्हें राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की इजाजत नहीं है। यही वजह है कि मैतेई समुदाय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें जनजातीय वर्ग में शामिल करने की गुहार लगाई थी। अदालत में याचिकाकर्ता ने कहा कि 1949 में मणिपुर की रियासत के भारत संघ में विलय से पहले मैतेई समुदाय को एक जनजाति के रूप में मान्यता थी। इसी याचिका पर बीती 19 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अपना फैसले सुनाया। इसमें कहा गया कि सरकार को मैतेई समुदाय को जनजातीय वर्ग में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इसके लिए चार हफ्ते का समय दिया। अब इसी फैसले के विरोध में मणिपुर में हिंसा हो रही है।

न्यायपालिका को कमजोर ...

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश माहेश्वरी और एम आर शाह सहित सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने आलोचकों पर अदालतों और न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाकर न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के स्पष्ट प्रयासों के साथ कपटपूर्ण तरीके अपनाने का आरोप लगाया। इन समूहों द्वारा अपनाई गई रणनीति बेहद परेशान करने वाली है। उद्देश्यहीन सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार से लेकर प्रत्यक्ष और गुप्त कार्यों में संलिप्त होकर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को धूमिल करना, न्यायिक परिणामों को अपने पक्ष में प्रभावित करने का प्रयास इनमें शामिल है। हम देखते हैं कि यह व्यवहार विशेष रूप से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक महत्व के मामलों और कारणों में स्पष्ट होता है, जिसमें कुछ व्यक्तियों से जुड़े मामले भी शामिल हैं, जिनमें न्यायिक स्वतंत्रता की हानि के लिए वकालत और पैंतरेबाजी के बीच की रेखाएं धुंधली हो जाती हैं। पत्र में रिटायर्ड जजों ने कहा कि वे विशेष रूप से गलत सूचना की रणनीति और न्यायपालिका के खिलाफ सार्वजनिक भावनाओं को भड़काने के बारे में चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि किसी के विचारों से मेल खाने वाले न्यायिक निर्णयों की चुनिंदा रूप से प्रशंसा करने और जो किसी के विचारों से मेल नहीं खाते, उनकी तीखी आलोचना करने की प्रथा न्यायिक समीक्षा और कानून के शासन के सार को कमजोर करती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के नेतृत्व वाली न्यायपालिका से ऐसे दबावों के खिलाफ मजबूत होने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कानूनी प्रणाली की पवित्रता और स्वायत्तता संरक्षित रहे।

सीएम की राजनीतिक ...

बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किया गया था। मालूम हो कि इस साल पूर्वोत्तर राज्य से छिटपुट हिंसा की खबरें आई हैं और हजारों लोग अपने घरों से दूर राहत शिविरों में रह रहे हैं। प्रस्तुति में पड़ोसी म्यांमार से अनधिकृत प्रवासन की समस्या और कुकीलैंड के निर्माण की मांगों के पुनरुत्थान के बारे में भी विस्तार से बताया गया। जैसा कि प्रेजेंटेशन में बताया गया है, मैतेई रिवाइवलिज्म ने भी स्थिति को बढ़ाने में योगदान दिया है, दो संगठनों-मैतेई लीपुन और अरामबाई तेंगगोल को संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए उद्धृत किया गया है। कुकी नेताओं ने दोनों समूहों पर उनके लोगों के खिलाफ मैतेई के नेतृत्व वाले हमलों का नेतृत्व करने का आरोप लगाया है। अपेक्षाकृत नया मैतेई लीपुन समूह कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से प्रभावित है और उसने बार-बार एन बीरेन सिंह (मैतेई भी) के नेतृत्व वाली सरकार के लिए समर्थन का दावा किया है। इस बीच, अरामबाई तेंगगोल पर नागा समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाने का भी आरोप लगाया गया है। इस समूह पर जून 2023 में गृह मंत्री अमित शाह की क्षेत्र की यात्रा से पहले असम राइफल्स के साथ गोलीबारी में शामिल होने का संदेह था। कट्टरपंथी समूह ने कई मांगें रखने के लिए जनवरी में मणिपुर के लगभग सभी विधायकों और सांसदों को एक बैठक के लिए *बुलाया* था। उन्होंने कुकी को अनुसूचित जनजातियों की सूची से हटाने का आह्वान किया और केंद्र और कुकी आतंकवादी समूहों के बीच संचालन निलंबन समझौते को रद्द करने की मांग की। अरामबाई तेंगगोल ने शरणार्थियों को मिजोरम के शिविरों में निर्वासित करने, सीमा पर बाड़ लगाने और असम राइफल्स के स्थान पर अन्य अर्धसैनिक बलों को तैनात करने की भी मांग की थी। कई रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि सांसदों ने मांगों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस साल भारत ...

महापात्रा ने कहा कि विश्लेषण से पता चला है कि 22 ला नीना वर्षों में, 1974 और 2000 को छोड़कर अधिकांश वर्षों में सामान्य या सामान्य से अधिक मानसून दर्ज किया गया था, जब सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र पर अल नीनो की मध्यम स्थिति बनी हुई है। पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि मानसून ऋतु के शुरुआती भाग के दौरान अल नीनो की स्थिति और कमजोर होकर तटस्थ ईएनएसओ स्थितियों में परिवर्तित होने की संभावना है और इसके बाद मानसून ऋतु के दूसरे भाग में ला नीना स्थितियां विकसित होने की संभावना है। विभाग के अनुसार पिछले तीन महीनों (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान उत्तरी गोलार्ध में बर्फ की आवरण सीमा सामान्य से कम थी। उत्तरी गोलार्ध के साथ-साथ यूरेशिया में सर्दियों और बसंत में बर्फ की आवरण सीमा का आगामी भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून वर्षा के साथ सामान्यत: विपरीत संबंध है।

कोर्ट ने 23 तक ...

मुख्यमंत्री 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में थे। ईडी ने यह कहते हुए केजरीवाल की हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग की कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार तथा धनशोधन से संबंधित है। संबंधित नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। धनशोधन रोधी एजेंसी की दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने से उच्च न्यायालय के इनकार के कुछ ही घंटे बाद ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को तिहाड़ जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि आप प्रमुख को वह सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं जो कट्टर अपराधियों को उपलब्ध होती हैं। मान ने कहा कि वह केजरीवाल से आधे घंटे के लिए मिले लेकिन उनके बीच एक कांच की दीवार थी, और दोनों नेताओं के बीच फोन कॉल के जरिये बातचीत हुई। मान ने कहा कि मैं उन्हें देखकर भावुक हो गया। उनके साथ एक कट्टर अपराधी की तरह व्यवहार किया जा रहा है। उनकी गलती क्या है? क्या यह उनकी गलती है कि उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक बनाए?

चर्च की प्रार्थना ...

के कुछ ही दिन बाद सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, बिशप मार मारी इमैनुएल शाम 7 बजे के बाद वेकले में क्राइस्ट द गुड शेफर्ड चर्च में सामूहिक प्रार्थना कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति उनके पास आया और कथित तौर पर उनके सिर पर कई बार वार किया। बिशप ने कोविड महामारी के दौरान काफी नाम कमाया था। उस दौरान इस बिशप के ऑनलाइन फॉलोअर्स में काफी बढ़ोत्तरी देखी गई थी। पुलिस ने समुदाय के लोगों से हादसे वाली जगह से दूर रहने को कहा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस फोर्स के अनुसार चाकूबाजी की रिपोर्ट के बाद, वेकले में एक पुलिस अभियान चल रहा है। कई लोगों को चाकू मारने की रिपोर्ट के बाद फेयरफील्ड सिटी पुलिस एरिया कमांड से जुड़े अधिकारी वेकले में वेलकम स्ट्रीट नाम के स्थान पर पहुंचे। अधिकारियों ने एक पुरुष को गिरफ्तार किया और वह पूछताछ में पुलिस की सहायता कर रहा है। घायल लोगों को गैर-जानलेवा चोटें आईं और उनका इलाज किया जा रहा है।

बयानों की जिम्मेदारी ...

कसते हुए पीएम ने कहा कि उन्हें सुनकर लोग सोचते हैं कि ये क्या बोल रहे हैं। हम *प्राण जाए पर वचन न जाए* की महान परंपरा से निकले हैं। नेताओं को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज हम जो कहते हैं उस पर लोगों को भरोसा है। राम मंदिर के मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा कि इसका राजनीतिकरण किसने किया? वोट बैंक की राजनीति को मजबूत करने के लिए इसे हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। बार-बार इसे भड़काया गया। जब मामला अदालत में था तब भी कोशिश की गई कि फैसला न आए। विपक्ष के लिए यह एक राजनीतिक हथियार था। अब राम मंदिर बन गया तो उनके हाथ से यह मुद्दा ही चला गया। इसके साथ ही डीएमके की हालिया *सनातन विरोधी* टिप्पणी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि सनातन के खिलाफ इतना जहर उगलने वाले लोगों के साथ बैठना उनकी क्या मजबूरी है? कांग्रेस की मानसिकता में ये कौन सी विकृति है? डीएमके का जन्म ही शायद इस नफरत में पैदा हुआ है।

ईरान ने इजरायल ...

नजर रख रहा है। आईएएफ लड़ाकू जेट और इजरायली नौसेना के जहाजों के साथ आईडीएफ एरियल डिफेंस हाई अलर्ट पर है। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे सहयोगियों के साथ आईडीएफ इजरायल और इजरायल के लोगों की रक्षा के लिए पूरी ताकत से काम कर रहा है. यह एक मिशन है जिसे पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध और तैयार हैं। बता दें कि ईरान ने 1 अप्रैल को अपने दमिश्क वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हमले के लिए प्रतिशोध लेने की कसम खाई है, जिसमें दो वरिष्ठ कमांडरों सहित सात गार्ड अधिकारियों की मौत हो गई थी। इजराइल ने वाणिज्य दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी ली न तो पुष्टि की है और न ही इससे इनकार किया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को ईरान को इजरायल पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी थी और कहा था कि ईरान किसी भी वक्त हमला कर सकता है। एक सेवानिवृत्त इजरायली जनरल अमोस याडलिन ने बताया कि ईरानी ड्रोन प्रत्येक 20 किलोग्राम विस्फोटकों से लैस हैं। इजरायल के पड़ोसी जॉर्डन ने कहा कि वे वे अपना हवाई क्षेत्र बंद कर रहे हैं। साथ ही जॉर्डन ने आपातकाल की स्थिति की घोषणा भी कर दी है।

जी-7 देशों ने ...

इजराइल के खिलाफ ईरान के हमले की निंदा की। हम तनाव कम करने की दिशा में काम करने के अपने सभी प्रयास जारी रखेंगे। गाजा में संकट को यथाशीघ्र समाप्त करने से, विशेष रूप से तत्काल युद्धविराम के माध्यम से, फर्क पड़ेगा। नेताओं ने इजराइल के लिए अपना पूर्ण समर्थन की पेशकश करते हुए कहा कि वे *आगे अस्थिर करने वाली पहल* के जवाब में *आगे कदम उठाने* के लिए तैयार हैं। बैठक के बाद इतालवी जी 7 प्रेसीडेंसी द्वारा प्रकाशित एक वीडियों वाले बयान में कहा कि हम हालात को स्थिर करने और आगे की स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए काम करना जारी रखेंगे। इस भावना में, हम मांग करते हैं कि ईरान और उसके प्रतिनिधि अपने हमले बंद कर दें, और हम आगे और अस्थिर करने वाली पहलों के जवाब में अब और कदम उठाने के लिए तैयार हैं। इस बीच, ईरान ने कट्टर दुश्मन इजराइल के खिलाफ रातोंरात मिसाइलों और हमले वाले ड्रोनों की एक अभूतपूर्व लहर शुरू करने के बाद विश्व नेताओं ने संयम बरतने का आग्रह किया, ऐसे समय में जब गाजा युद्ध ने मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है। इजराइली सेना ने कहा कि इजराइल और उसके सहयोगियों ने आने वाले अधिकांश प्रोजेक्टाइल को रोक दिया, जिसमें 12 लोगों के घायल होने और किसी की मौत नहीं होने की सूचना है, लेकिन हमले ने इजरायली जवाबी हमले की आशंकाओं को तेजी से बढ़ा दिया।

अमेरिका में बनाई ...

की योजना संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरू हुई, जहां लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने अमेरिका में रहने वाले एक अन्य गैंगस्टर रोहित गोदारा को निशानेबाजों के चयन का काम सौंपा। पुलिस ने कहा कि यह निर्णय संभवत: गोदारा के भारत के कई राज्यों में फैले पेशेवर निशानेबाजों के व्यापक नेटवर्क से प्रभावित था। अनमोल बिश्नोई ने फेसबुक पोस्ट के जरिए घटना की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी लेने वाले फेसबुक पेज का आईपी पता कनाडा का पाया गया। पुलिस इस संभावना की जांच कर रही है कि फेसबुक पोस्ट बनाने के लिए वीपीएन का उपयोग किया गया था। गोदारा पिछले हाई-प्रोफाइल मामलों में शामिल होने के कारण बिश्नोई गिरोह में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जिसमें राजस्थान में राजू ठेठ हत्या मामला और गोगामेडी हत्या मामला भी शामिल है। पुलिस ने कहा कि बिश्नोई गिरोह कई राज्यों में विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से संग्रहीत हथियारों की तैयार आपूर्ति रखता है। यह संदेह है कि गोदारा ने भारत में अपने सहयोगियों के माध्यम से शूटरों को हथियार उपलब्ध कराने में मदद की। विशाल, जिसे कालू के नाम से भी जाना जाता है, गोदारा द्वारा आयोजित पिछली हिंसक घटनाओं में शामिल होने के कारण इस नौकरी के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार के रूप में उभरा। विशाल मार्च में गुरुग्राम स्थित व्यवसायी सचिन मुंजाल की हत्या के मामले में वांछित है। गोदारा ने कथित तौर पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से मुंजाल की हत्या की बात कबूल की। विशाल और दूसरे संदिग्ध ने सलमान खान के आवास तक पहुंचने के लिए रायगढ़ जिले से एक सेकेंड-हैंड बाइक खरीदी। वे पनवेल से उस बाइक पर मुंबई गए। पुलिस इस बाइक की बिक्री के बारे में लोगों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने कहा है कि पुलिस वाहन, जो आमतौर पर सलमान खान के घर के बाहर तैनात रहती है, रविवार सुबह मौजूद नहीं थी। पांच राज्यों - महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब - की पुलिस ने इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक समन्वित प्रयास शुरू किया है।

भूस्खलन के चलते ...

रामबन जिले के बनिहाल के किश्तवारी पथार इलाके में भारी भूस्खलन के कारण बड़े-बड़े पत्थर एवं मलबा मार्ग पर फैल गया है। इसके चलते राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के ल

लखीमपुर लोस क्षेत्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए आयोजित रैली में मुख्यमंत्री ने संभाला मोर्चा

असम संभावनाओं का एक नया राज्य बन गया है : डॉ. हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने काकपत्थर में लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार प्रदान बरुवा के लिए एक विशाल चुनाव प्रचार रैली में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को बोहाग बिहू की शुभकामनाएं दीं और कहा कि बोहाग राष्ट्र को नया जीवन देता है और राष्ट्र को बार-बार सम्मान के साथ जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने बोहाग को राष्ट्रीय त्योहार और चुनाव को लोकतंत्र का त्योहार बताते हुए कहा कि सरकार पिछले कुछ वर्षों से इसे मध्य तक ले जाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में विकास की गति तेज हुई है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने काकपत्थर में स्टेडियम के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है और राज्य सरकार काकपत्थर की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाएगी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार प्रदान बरुवा, विधायक बलियान चेतिया और रूपेश गौला, जिला अध्यक्ष कुशकांत बोरा और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इसके बाद मुख्यमंत्री डाकुआखाना में एक और विशाल चुनावी रैली में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लोगों के साथ-साथ असम के लोगों ने नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधान मंत्री के रूप में फिर से चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के असम और आज के असम में बहुत बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि उस समय एक सौ एक समस्याओं ने असम को उग्र राज्य बना दिया था. उन्हें बम और गोलियों की आवाज के साथ बोहाग बिहू मनाना पड़ा। उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से असम में शांति लौट आई है और असम के चारों ओर विकास का एक नया आंदोलन शुरू हुआ है। अब असम में कोई धरने, बंद आदि नहीं होते। इसके बजाय, वृक्षारोपण, शिक्षा, खेल और संस्कृति आंदोलन शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आकांक्षा और आशा का असम बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बाढ़ उन्मूलन अभियान शुरू हो गया है और बांधों पर पक्की सड़कों का निर्माण शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम एक नए संभावनाओं वाले राज्य में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा कि हमें असम को कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे सर्वश्रेष्ठ राज्यों के स्तर पर ले जाने के लिए दिन-रात काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को कोसने का समय बीत चुका है और अब देश निर्माण का समय है। अब असम को सर्वोत्तम राज्य बनाने का समय आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बेरोजगार युवाओं में आशा जगाने और उन्हें शिक्षा की रोशनी से रोशन करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि वह एक नए असम की तलाश में हैं और असम में समानता लाने के प्रयास किए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाएं लोगों के परामर्श से तैयार की जाती हैं। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार प्रदान बरुवा, विधायक नव डेल, मानव डेका और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री बिहपुरिया में सोनितपुर लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रंजीत दत्ता की ओर से आयोजित एक अन्य विशाल चुनावी रैली में भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बहुत कुछ संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा के समर्थन में जबरदस्त उत्साह है। पिछले चुनाव के दौरान किए गए वादे तीन साल से भी कम समय में पूरे किए गए। पिछले चुनाव के दौरान किए गए वादे तीन साल से भी कम समय में पूरे किए गए। अब सरकारी नौकरियां सिर्फ अमीरों के लिए नहीं हैं। अब अत्यंत सामान्य परिवार के बच्चे भी योग्यता के आधार पर नौकरी पाने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 100,000 सरकारी नौकरियों के बाद 50,000 नई सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। जो लोग सरकारी नौकरी नहीं करना चाहते उन्हें व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित करने की योजनाएं भी ली गई हैं। शंकर-माधव का पवित्र असम विकसित असम की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब शिकारी काजीरंगा में गैंडों को नहीं मार सकते। ड्रग डीलर असम के युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के लिए अपने बड़े पैमाने पर कारोबार को जारी नहीं रख सकते। अब असम एक नए असम की ओर बढ़ रहा है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने लोगों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक में विधायक डॉ. अमी कुमार भुइयां, मानव डेका और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस ने हर घर में जल स्टोरेज सिस्टम का उद्घाटन किया

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस ने जल है तो जीवन है के नारे के साथ बीरुबाड़ी के शंकरपुर में जल स्टोरेज सिस्टम का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन से इस तेज गर्मी में उस इलाके के लोगों को पानी लाने की दिक्कत से राहत मिलेगी। जेसीआई इंडिया के नेशनल जोन प्रेसिडेंट जेसी गुर्दीत सिंह सहमे ने इस उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

गुवाहाटी बारदाना समिति का अष्टयाम यज्ञ महोत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। बारदाना समिति गुवाहाटी की अष्टयाम यज्ञ महोत्सव समिति द्वारा श्री अष्टयाम यज्ञ महोत्सव का दो दिवसीय विशाल आयोजन कलश यात्रा, यज्ञ एवं रामधुन के साथ फैंसी बाजार स्थित साधना मंदिर प्रांगण में संपन्न किया गया। इस अवसर पर 14 अप्रैल प्रात: 8 बजे से 15 अप्रैल शाम 5:30 बजे तक अखंड राम धुन की श्रृंखला आयोजित हुई।

रंगाली बिहू के रंग में रंगा पूरा राज्य

गुवाहाटी (हिंस)। इन दिनों पूरा असम रंगाली बिहू के रंग में सराबोर हो चुका है। चाहे वह राजधानी गुवाहाटी हो या गांव का दूर-दराज का ईलाका-हर तरफ ढोल, पेपा, गगना, मुरली आदि बजाने के साथ-साथ गाने की ध्वनि गूंज रही है। पूरा वैशाख महीने भर असम इसी प्रकार रंगारंग कार्यक्रमों के रंग से सराबोर रहेगा। ज्ञात हो कि बिहू असम का सबसे बड़ी और प्रसिद्ध त्योहार है, जो असम में खुशियों का महोत्सव है। यह त्योहार वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। लेकिन, इस महीने में मनाया जाने वाला बहाग या रंगाली बिहू अप्रैल में मनाया जाता है, जब प्रकृति नई ऊर्जा और उत्साह से भर जाती है। रंगाली बिहू का मतलब होता है *रंगीन बिहू*, और इसे आनंद, खुशी, और बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस उत्सव के दौरान लोग नए कपड़े पहनकर अपने मित्रों, रिश्तेदारों के यहां आशिर्वाद लेने पहुंचते हैं। लोग घरों को सजाते हैं। महिलाएं पीठा आदि बनाती हैं। लोग गीतों के साथ नृत्य करते हैं। प्राचीन काल में खेतों में काम करने वाले लोगों के

लिए रंगाली बिहू एक महत्वपूर्ण था, जब वे अपने मेहनत के फल का आनंद लेते थे। लेकिन आज बिहू असम की संस्कृति में इस प्रकार रच बस गया है कि हर मौके पर इसकी झलक दिखती है। हालांकि, अभी भी इस त्योहार का संबंध कृषि और प्राकृति के साथ अन्योन्याश्रय है, जिसमें असम की विविधता और सामाजिक समरसता की झलक मिलती है। रंगाली बिहू के सात दिनों के नाम कथित रूप से इस प्रकार हैं-गोरू बिहू, मानुह बिहू, गोसाई बिहू, तातर बिहू, नांगलर बिहू, जियरी बिहू और सेरा बिहू। इस प्रकार सात दिनों तक सात बिहू मनाया जाता है। जहां शनिवार को गोरू बिहू मनाया गया, वहीं रविवार को मानुह बिहू और सोमवार को गोसाई बिहू मनाया जा रहा है। वैसे इस पूरे वैशाख महीने में लोग जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इस दौरान बिहू नृत्य के साथ-साथ असम के विभिन्न परंपरागत नृत्य, गीत आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और मंच पर विभिन्न शैलियों में गीत, नृत्य एवं पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति की जाती है।

हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और हापा-नाहरलगुन के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। गरमी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और हापा-नाहरलगुन के बीच 17 अप्रैल से 29 जून तक दोनों दिशाओं में 11 ट्रिपों के लिए दो जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि तदनुसार, स्पेशल ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) 17 अप्रैल से 26 जून तक प्रत्येक बुधवार को हावड़ा से 23:55 बजे रवाना होकर अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में, स्पेशल ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) 18 अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक गुरुवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होकर अगले दिन 00:10 बजे हावड़ा पहुंचेगी। 22 कोचों वाली यह स्पेशल ट्रेन अपने दोनों छोर की यात्रा के दौरान वाया बैंडेल, नबद्वीप धाम, आजिमगंज जंक्शन, मालदा टाउन, किशनगंज होकर चलेगी। एक अन्य स्पेशल ट्रेन संख्या 09525 (हापा-नाहरलगुन) 17 अप्रैल से 26 जून तक प्रत्येक बुधवार को हापा से 00:40 बजे रवाना होकर शुक्रवार को नाहरलगुन 16:00 बजे पहुंचेगी। वापसी में, स्पेशल ट्रेन संख्या 09526 (नाहरलगुन-हापा) 20 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से 10:00 बजे रवाना होकर मंगलवार को हापा 00:30 बजे पहुंचेगी। 22 कोचों

वाली यह स्पेशल ट्रेन अपने दोनों छोर की यात्रा के दौरान वाया राजकोट, अहमदाबाद, रतलाम, उज्जैन, रूठियाई जं., ग्वालियर, प्रयागराज जं., वाराणसी, छपरा जं., हाजीपुर जं., बरौनी जं., कटिहार जं., न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, न्यू बंगाईगांव, रंगिया, रंगापाड़ा नॉर्थ होकर चलेगी। इन मार्गों पर यात्रा करने वाली अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इन स्पेशल ट्रेनों में इस गरमी के दौरान आरामपूर्वक यात्रा करने के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और पू.सी. रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर पर उपलब्ध है। यात्रियों से उनकी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

2026 में *आप* असम में सरकार बनाने जा रही है : इमरान हुसैन

गुवाहाटी (हिंस)। दिल्ली सरकार के मंत्री तथा आम आदमी पार्टी (आप) के नेता इमरान हुसैन ने कहा है कि 2026 में आम आदमी पार्टी असम में सरकार बनाने जा रही है। मंत्री सोमवार को डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट के आप उम्मीदवार मनोज धनबार के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम के लोग भी चाहते हैं कि दिल्ली की तरह असम के सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से अच्छे बन जाएं। लोग चाहते हैं कि असम के सरकारी अस्पताल प्राइवेट अस्पतालों से अच्छे बन जाएं। सभी को बगैर किसी रूकावट के 24 घंटे मुफ्त बिजली मिले। सभी को पाइप लाइन के जरिए घरों में मीठा पानी मिले। महिलाओं को उनके खाते में एक हजार रुपए सम्मान राशि मिले। बेरोजगारों को रोजगार मिले। मंत्री हुसैन ने कहा कि आप के उम्मीदवार असम में दोनों सीटों पर चुनाव जीतने जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सरकार पर कई आरोप लगाए।

चाबीपुल में वाल्मीकि समाज ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय संविधान के प्रणेता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में चाबीपुल स्थित हरिजन विद्यालय में चाबीपुल वाल्मीकि सेवा समिति के सौजन्य से डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का पालन किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत ने भी अपना सहयोग दिया। इस अवसर पर पूर्व गुवाहाटी विधानसभा से विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, लोकसभा उम्मीदवार बिजुली कलिता, पूर्व सांसद रोमन डेका, नगर निगम की डिप्टी मेयर स्मिता रॉय, पार्षद शंकर चक्रवर्ती, असम स्वास्थ्य मंत्रालय के पीए ऋषि शर्मा, प्रसार भारती के आई जी परमार, रक्षा विभाग के संजय कुमार बाबू ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर वाल्मीकि समाज द्वारा स्थापित रामदेव पीर के मंदिर

में पूजा अर्चना करने के पश्चात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के आगे पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए संविधान के प्रति उनके अवदानों को याद किया। लोकसभा उम्मीदवार बिजुली कलिता ने भी वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का आश्वासन अपने संबोधन में दिया। इस अवसर पर चाबीपुल वाल्मीकि समाज द्वारा सभी अतिथियों का भीमराव अंबेडकर का चित्र एवं चुनड़ी, असमिया फूलाम गामोछा से उनका स्वागत किया। इससे पहले वाल्मीकि सेवा समिति के अध्यक्ष शंभू वाल्मीकि ने स्वागत भाषण दिया। अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत के अध्यक्ष श्री चंद वाल्मीकि और सचिव अमित गुजराती ने भी अपना संबोधन दिया। वाल्मीकि सेवा समिति के सचिव कैलाश कुमार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने संजू चांवरिया, मंटू चांवरिया, बलराज वाल्मीकि, नवरंग हरिजन, किशन चावरिया, प्रताप पवार, मनोज हरिजन, रामायण बासफोर, बचुवा बासफोर के अलावा अन्य कई सदस्यों ने सहयोग दिया।

फकीराग्राम में चुनाव प्रचार कार्यालय का उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम शहर स्थित बीपीएफ कार्यालय में आज सुबह 11 बजे चुनाव प्रचार कार्यालय का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन 29 नंबर विधानसभा के विधायक रबिराम नार्जारी ने किया। इस दौरान बीपीएफ स्ट्रेरिंग समिति के कोनवेंनर प्रदीप ब्रह्म, फकीराग्राम स्टेरिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. राजउल करीम, फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ समिति के अध्यक्ष इनामूल हक सहित कई नेता व कर्मीगण उपस्थित थे। इस दौरान एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में आगामी लोकसभा चुनाव को

लेकर विस्तार से चर्चा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक रबिराम नार्जारी ने कहा कि आगमी लोकसभा चुनाव में बीपीएफ उम्मीदवार खांफा बरगयारी की जीत तय है।

मणिपुर पुलिस ने 237 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 237 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 39 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है।

नगांव गोपाल गौशाला में गोरु बिहू का भव्य आयोजन

नगांव (निसं)। असम के जातीय उत्सव रंगाली बिहू के उपलक्ष्य पर श्री गोपाल गौशाला समिति, नंगाव ने शनिवार को सुबह 11 बजे गोरू बिहू का पालन किया। विद्वान पंडित द्वारा मंत्रो उचारण के साथ गायों की पूजा अर्चना की साथ ही छोटे छोटे बच्चों ने बड़ा ही सुंदर बिहू नित्य कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए उपस्थित सभी ने बिहू की ताल पर नित्य किया। गोरू बिहू के इस कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष राधेश्याम लोहिया, पूर्व अध्यक्ष विजय लोहिया, सचिव रामावतार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र बंका, पूर्व सचिव शंकरलाल वर्मा, सह-सचिव संजय पोद्दार, नगांव मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन जाजोदिया, प्रमोद बालाजुरीया व समाज के अन्य लोगों भी उपस्थिति थे।

गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गोसाई फुरुवा उत्सव

विश्वनाथ (विभास)। असम के सबसे प्राचीन स्थल गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट में अहोम युग से चली आ रही परंपरा आज भी 340 साल की विरासत को कायम रखते हुए गोसाई फुरुवा उत्सव मनाया गया। इस त्योहार की शुरुआत आहोम राजा गदाधर सिंह ने की थी और इस बार भी बिश्वनाथ मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। वास्तव में गोसाई बिहू के दिन गोसाई को केकड़े के झूले पर बिश्वनाथ मंदिर से 5 कि.मी. पैदल चल भगवान को कंधे में लेकर भीरगांव के काइधाप में दिन के

लिए स्थापित किया जाता है, जहां पर आहोम युग के पाइक अथवा पूजा अर्चना करने वाले देउरी लोगों के गांव है। पुनः संध्या में गोसाई को विश्वनाथ मंदिर में ले आया जाता है। समय और क्षेत्र के लोगों ने इस परंपरा और विरासत को देखा है। सुबह से ही अनगिनत भक्तों की समावेश और उत्सव मुखी वातावरण से समग्र विश्वनाथ अंचल मं मंत्रमुग्ध हो उठा। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर इस अंचल में विराट मेला का भी आयोजन होता है, जिसमें असंख्य श्रद्धालु आनंद का लुप्त उठाता है।

संपादकीय

डूबता जहाज बन गई है कांग्रेस

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले नेताओं का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस डूबता जहाज बन गई है, जिस पर कोई भी समझदार व्यक्ति रुकना नहीं चाहता है। स्थिति यह है कि छोटे-बड़े नेता ही नहीं अपितु मीडिया के माध्यम से देश की जनता के सामने तार्किक ढंग से कांग्रेस पक्ष रखनेवाले प्रमुख प्रवक्ता भी पार्टी को छोड़ रहे हैं। संभव है कि आनेवाले समय में कांग्रेस के पास कोई ढंग का प्रवक्ता भी न बचे। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ के बाद अब रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को विदा कह दिया है। जब भी कोई नेता अपनी पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाता है, स्वाभाविक ही आरोपों की बौछार कर देता है। परंतु, कांग्रेस के संबंध में जिस प्रकार की टिप्पणी की जा रही हैं, उनमें नयापन कुछ भी नहीं है। देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है। गौरव वल्लभ के आरोपों ने इसी अवधारणा को और गहरा किया। वहीं, गुजरात के कांग्रेस नेता एवं प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद कहा कि "कितने विरोधाभास हो सकते हैं? एक संचार प्रभारी हैं जिनके नाम में 'राम' है, जब सनातन (धर्म) का अपमान हो रहा था तब उन्होंने हमको कहा कि आप चुप रहो। देश के नाम का उपयोग करके एक गठबंधन बनाया गया लेकिन उसमें 'देश विरोधी ताकतों' को जोड़ा गया"। रोहन गुप्ता ने जो आरोप लगाए उसकी अनुभूति पहले से देश की जनता को है। जब स्टालिन एवं अन्य लोग सनातन का अपमान कर रहे थे, तब कांग्रेस ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी थी। अब तक कांग्रेस ने ऐसे नेताओं और पार्टियों से दूरी नहीं बनायी है। इसी तरह देश की आम जनता आज तक विपक्षी गठबंधन के नाम को स्वीकार नहीं कर पा रही है। जिस समय विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नामकरण 'इंडिया' किया था, उसी समय से कई राजनेताओं और राजनीतिक दलों के साथ ही आम नागरिकों ने भी इसका विरोध किया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में रहते हुए, इस नाम का विरोध किया था। जबकि उस समय गठबंधन को आकार देने में उसकी सक्रियता सबसे अधिक थी। दरअसल, सब यही कह रहे थे कि कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के प्रति सहानुभूति जुटाने एवं उसकी नीतियों पर पर्दा डालने के लिए चालाकी से गठबंधन का नाम 'इंडिया' चुना। कोई उनके गठबंधन की आलोचना करे तो उसके भारत विरोधी कहा जा सकते, यह भी एक मंशा थी। इसलिए समझदार लोग अभी भी कांग्रेसनीत गठबंधन को 'इंडी' या 'आईएनडीआईए' गठबंधन कहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो कांग्रेस को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक, अच्छे नेता उसका साथ छोड़ रहे हैं। दूसरा, कांग्रेस के बारे में आम जनता की धारणा पक्की होती जा रही है। कांग्रेस में जो समझदार नेता हैं, उन्हें आगे आकर स्थितियों को संभालना होगा। पार्टी छोड़नेवाले नेताओं को बुरा-भला कहने से बात नहीं बनेगी अपितु उन्हें पार्टी के बारे में पुनर्विचार करना चाहिए। हालांकि, इसकी संभावना कम है क्योंकि कांग्रेस में इस समय कम्युनिस्ट विचारधारा के नेताओं का प्रभाव अधिक है। कांग्रेसी सोच का कार्यकर्ता एवं नेता हासिए पर धकेल दिए गए हैं।

देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है।

माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्र्वरिया का अंग है

अपराधियों को नायक बनाने की खतरनाक प्रवृत्ति

अवधेश कुमार

खलनायक को नायक बनाने की सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रवृत्ति के व्रत कर खड़ा होने की आवश्यकता है। हमारे देश में न्याय का शासन है। माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्र्वरिया का अंग है। यह जितना मुसलमान पर लागू होता है उतने ही हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी ईसाईं सभी पर। मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुईं मृत्यु से कर दी। उसकी मौत को राजनीतिक दलों, वुछ नेताओं, संगठनों आदि के द्वारा विवादास्पद बनाया जा चुका है। जेल में किसी भी वैदी की मृत्यु हो कानून के अनुसार उसकी न्यायिक दंडाधिकारी से जांच आवश्यक है। यह अंसारी के मामले में भी है और जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। बांदा मेडिकल कॉलेज ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। बांदा जेल से भी समाचार यही था कि मुख्तार अंसारी को हार्ट अटैक आया और उसे अस्पताल ले जाया गया। मुख्तार अंसारी ,पिछले लंबे समय से जब भी वीडियो में आया काफी कमजोर दिखता था। ह्वील चेयर पर ही उसके बाहर निकलने या अंदर जाने की तस्वीरें आईं थीं। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में अनेक बीमारियां लिखी हुईं है। इतनी बीमारी से ग्रस्त व्यत्ति की कभी भी किसी कारण से मृत्यु हो सकती है। स्वयं को बाहुबल और धनबल की बदौलत बादशाहत कायम करने की मानसिकता में जीने वाले व्यत्ति को जेल में आम अपराधी की तरह व्यवहार से मानसिक आघात लगना बिलवुल स्वाभाविक है। मानसिक तनाव, दबाव, हताशा मनुष्य को अनेक बीमारियों से ग्रस्त करती है। योगी

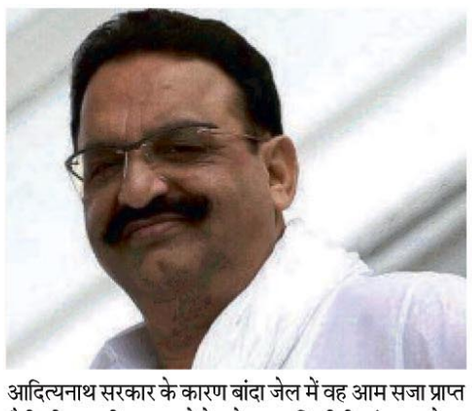

आदित्यनाथ सरकार के कारण बांदा जेल में वह आम सजा प्राप्त वैदी की तरह ही था। हमारे देश के वुछ बुद्धिजीवी, संगठन, नेता, राजनीतिक परटियों आदि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का कोईं मायने ही नहीं है। प्रचारित यह किया जा रहा है कि उसे मारा गया है। जिस तरह वुछ दिनों से उसके परिवार और वकील यह खबर पैला रहे थे कि उनको धीमा जहर दिया जा रहा है वह रणनीति का अंग था। ऐसा लगता था जैसे उसे जमानत देने या मन मुताबिक किसी जेल में शिफ्ट करने का आधार बनाया जा रहा था। मृत्यु से वुछ दिनों पहले अपने बेटे से बातचीत का उसका ऑडियो वायरल हुआ है जिसमें उसके काफी कमजोर होने का आभास मिल रहा था। वह कह रहा था कि काफी दिनों से उसे मोशन नहीं हुआ और यह भी कि शरीर चला जाएगा लेकिन रुह रहेगा। अंसारी का बेटा उसे दिलासा देते हुए कहता है कि पापा आपका शरीर रहेगा और आप हज भी करेंगे। हम अदालत से गुहार कर रहे हैं और अनुमति मिलते ही आपसे मिलने आएंगे। उसके काफी अस्वस्थ व कमजोर होने के साथ गहरी निराशा में डूबे होने का पता भी ऑडियो से चलता है। सपा, बसपा ,अन्य परटियों, मजहबी नेताओं आदि ने जिस ढंग का माहौल बनाया है उसने फिर देश के आम व्यत्ति को उद्वेलित किया है। जितनी संख्या में उसके नमाज ए जनाजा में लोग शामिल हुए वह किसी भी समाज के सामान्य अवस्था का द्वोतक नहीं है। हमारे देश में कानून सबके लिए बराबर है और सजा देने का काम न्यायालय का ही है। जेल नियम के अनुसार किसी भी वैदी की हर प्रकार से देखभाल कानूनी तौर पर अपरिहार्य है। ऐसा कोईं कारण नहीं दिखता जिससे प्रशासन या जेल या सरकार उसे तत्काल अवैध तरीके से मारने का कदम उठाए। इस समय उसकी मृत्यु से किसी को वुछ भी प्राप्त नहीं होने वाला था। ठीक इसके उलट लगातार उसे सजा मिल रही थी और अंतिम समय तक वह जेल में छटपटाते रहता तो इसका संदेश अन्य माफियाओं, बाहुबलियों, अपराधियों के बीच जाता कि ऐसे लोगों के साथ यही होना है। योगी आदित्यनाथ सरकार की दृष्टि से यह स्थिति ज्यादा अनुवूल थी। मृत्यु के बाद उसे गरीबों का मसीहा और नायक बनाया गया वह वाकईं भय पैदा करता है। मुख्तार अंसारी न्यायालय द्वारा सिद्ध माफिया, हत्यारा, अपहरणकर्ता, सांप्रदायिक दंगा करने वाला बाहुबली था। 65 से ज्यादा मुकदमे उसके नाम पर थे जिनमें से आठ में उसे सजा दी जा चुकी थी। इनमें दो में उम्र वैद की सजा थी। यानी न्यायालय ने उसे अंतिम सांस तक जेल में रखने की सजा दी थी। तो न्यायालय द्वारा घोषित सजाप्राप्त अपराधी को मुसलमानों का नायक, गरीबों का मसीहा बताया जा रहा है तथा राजनीतिक परटियां और नेता उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं इससे ज्यादा डरावना किसी देश के लिए वुछ नहीं हो सकता। वे सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रहे हैं। किसी उदारवादी, समाज हितैषी, हिंदू मुस्लिम एकता के लिए काम करने वाले मुसलमान की मृत्यु पर न ऐसी प्रत्वरियाएं आतीं हैं न इतने लोग इकट्ठे होते हैं और न उनमें किसी तरह की भावविह्वलता और आव्रामकता देखी जाती है। इसके विपरीत चाहे मुख्तार अंसारी हो, बिहार का बाहुबली सैयद सहाबुद्दीन, अतीक अहमद या मुंबईं बम विस्फोटों का आतंकवादी टाइगर मेनन उनके जनाजे में इतने बड़े जन समूह का उभरना मुस्लिम समाज के अंदर बढ़ती ऐसी प्रवृत्ति है जिससे डरने और जिसको हर हाल में रोके जाने की आवश्यकता है।

मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुईं मृत्यु से कर दी।

दृष्टि कोण

घर में घुसकर मारने के बयान पर चुप्पी क्यों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के घर में घुस कर मारने के बयान के बाद भी पूरी दुनिया चुप रही। पाकिस्तान के सिवाय विश्व के किसी भी देश ने इस पर कोई सख्त टिप्पणी करना तो दूर, सामान्य प्रतिक्रिया तक नहीं जताई। विश्व के देशों की समझ में आ गया है कि आतंकवाद के लिए बदनाम पाकिस्तान जैसे देश के लिए भारत से रिश्ते बिगाडना समझदारी नहीं है। बदले हुए वैश्विक परिदृश्य में हर देश सिर्फ नेशन फस्ट की नीति पर चल रहा है। इसलिए कोई देश किसी दूसरे देश के खिलाफ कोई प्रतिक्रिया तब तक नहीं देता है, जब तक कि उसके हितों पर आंच नहीं आए। ब्रिटिश अखबार गार्डियन की रिपोर्ट के बाद ठीक ऐसा ही हुआ है। गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में हुई करीब 20 हत्याएं संयुक्त अरब अमीरात से संचालित भारतीय खुफिया एजेंसियों के स्लीपर सेल के जरिए अंजाम दिए गए। हत्याओं को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपए देने का आरोप है। भारतीय एजेंटों ने हत्याओं को अंजाम देने के लिए कथित तौर पर जिहादियों को भी भर्ती किया, उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि वे काफिरों को मार रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है। इस खबर के बाद भी पाकिस्तान को छोड़ कर दुनिया के सभी देश खामोश रहे। भारत ने भी मौजूदा दौर में बदली हुई विदेश नीति के तहत इस बात को दबाने या छिपाने के बजाय विश्व के समक्ष साफ जाहिर कर दिया कि आतंकी कार्रवाईयों पर भारत चुप नहीं बैठेगा, बल्कि ऐसी कार्रवाईयों का मुंहतोड़ जवाब देगा। हालांकि भारत ने गार्डियन की इस रिपोर्ट का न तो खंडन किया और न ही समर्थन किया। भारत ने विश्व के सामने अपनी नीति को स्पष्ट कर दिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने पूर्व में दिए गए बयान से भी एक कदम आगे निकल गए। सिंह ने पाकिस्तान को उसकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए सहायता की पेशकश कर डाली। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान खुद को अक्षम महसूस करता है तो भारत आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग करने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि अगर उसका मकसद आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को अस्थिर करना है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। यह सख्त टिप्पणी उनके द्वारा पाकिस्तान को चेतावनी देने के एक हफ्ते बाद आई है कि भारत सीमा पार करके भागने की कोशिश करने वाले किसी भी आतंकवादी का पीछा करेगा। उन्होंने कहा था कि अगर वे पाकिस्तान भागेंगे तो हम उन्हें मारने के लिए पाकिस्तान में घुसेंगे। जमुई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहते हैं कि छोटे-छोटे देश जो आज आटे के लिए तरस रहे हैं, उनके आतंकी हम पर हमला करके चले जाते थे और तब की कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। आज का भारत घर में घुस कर मारता है। पाकिस्तान ने राजनाथ सिंह के इस बयान को भडक़ाऊ बताते हुए इसकी निंदा की। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास खुद की रक्षा करने के लिए गवाही देता है। पाकिस्तान ने कहा कि हमने हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और यह भी कहा कि इतिहास पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प और खुद की रक्षा करने की क्षमता की गवाही देता है। यह पहला मौका है जब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक कदम आगे बढ़ते हुए परिवर्तित नीति का खुलासा किया है। इससे पहले ऐसे मामलों से भारत कन्नी काटता रहा है। आतंकियों के लगातार मारे जाने पर पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले एक भारतीय पासपोर्ट धारक को गिरफ्तार किया गया है। भारत ने तब इसे बेबुनियाद बताया था। इसी तरह कनाडा में आतंकी निज्जर की हत्या और अमरीका में आतंकी पन्नू की हत्या के प्रयासों के आरोपों पर भारत ने रक्षात्मक रुख अख्तियार करते हुए ऐसी कार्रवाईयों का खंडन किया था। किन्तु गार्डियन की खबर के बाद भारत ने अपना स्टैंड बदल लिया है। इस बदली हुई नीति का संदेश विश्व को दिया गया है। गौरतलब है कि कनाडा, अमरीका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और अन्य देशों में खालिस्तानी आतंकियों ने भारत के खिलाफ धरने-प्रदर्शन और हिंसात्मक कार्रवाईयां की हैं। भारत इन पर अपना विरोध जताता रहा है। रक्षामंत्री का बयान इन देशों और इनमें पल रहे आतंकियों के लिए भी चेतावनी है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि हर मामले की एक हद होती है। अब भारत किसी को बख्शेगा नहीं। विश्व के देश भारत के बदले हुए तेवर से स्तब्ध हैं। किसी भी देश ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ नहीं दिया। इसकी प्रमुख वजह है कि भारत सभी देशों से कमोबेश द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। इसमें रणनीति और व्यापारिक संबंध शामिल हैं। सभी देशों को लगता है कि एक अरब 40 करोड़ की आबादी वाला भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। दो देशों के आपसी संबंधों के मामले में बीच में पडना अब कोई भी देश नहीं चाहता।

कुछ अलग

बनाम छोटा पप्पू

मंडी संसदीय क्षेत्र ने अचानक सारे राष्ट्र की निगाहें हिमाचल की ओर मुखातिब की हैं। मानना पड़ेगा कि यह सब वहां से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत की वजह से कहीं ज्यादा हो रहा है। चुनावी फलक के दूसरे छोर पर वीरभद्र सिंह परिवार का पारंपरिक दुर्ग और उनकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकार खड़ा है। बात कहां से चली और कहां तक पहुंचेगी, लेकिन आरंभिक जोश से ही मालूम पड़ता है कि मंडी चुनाव में जाहिर मंतव्य किसी भी हद तक जहरीला और व्यक्तिगत आक्षेपों में माहिर होना चाहता है। यहां कंगना की पृष्ठभूमि, ग्लैमर और बेबाकी के सामने विक्रमादित्य सिंह की राजनीतिक समझ, वाकपुटता और सत्ता में भागीदारी खड़ी है। कंगना का प्रचारतंत्र देश के लिए और देश के सामने, भाजपा का अभ्यास वर्ग है, इसलिए जरूरी नहीं कि वह हिमाचली मुद्दों की बिसात तक ही रहे। इसलिए वह सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय बहस की पात्र बनी रहना चाहती है और मुकाबले के हर पहलू में मंडी के स्वाभिमान और पहाड़ की बेटी होने का मर्म जाग्रत करती है। इस तरह वह न तो अधकचरी और न ही आसान हस्ती हैं। विवाद उनका गहना और चर्चाएं उनका पोशाक है। हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरी बार हो रहा है जब कोई सियासी शख्सियत अपनी गैर मौजूदगी में भी चर्चाओं से दूर नहीं। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को जब प्रदेश की राजनीति से दूर केंद्रीय मंत्री के दायित्व में सीमित करने के जोरदार प्रयास हो रहे थे, तब भी वह हिमाचल की हर बहस के प्रमुख पात्र थे। हिमाचल के प्रवेशद्वारों यानी सोलन व ऊना जिलों में वह बयान दाग कर विपक्ष को तब तक चर्चा का मौका देते थे, जब तक वह दिल्ली नहीं लौट जाते। उनकी शब्दावली से निकले रौंदू या मकड़झंडू जैसे शब्दों की व्याख्या आज भी विरोधियों के सिर में खुजली करती है, जबकि उनकी हाजिरजवाबी का अंदाज आजकल के नेताओं में ढूंढे नहीं मिलता। ऐसे में कंगना का राजनीतिक अवतार पुनः बहस के कटोरे में कई खड्डों का पानी भर रहा है। सवाल यह है कि हिमाचल की जनता को अब इस स्तर की बहस में मजा आने लगा है। क्या वह नारी होने के कारण विरोधियों पर भारी होने जा रही है। क्या उसे राष्ट्रीय बहस में हिमाचल के मुद्दे गौण करने से लाभ होगा या कांग्रेस की लंका जलाते हुए अपने हाथ जलाने चाहिएं। जो भी हो, मनाली में उसके निशाने अगर बड़े पप्पू बनाम छोटे पप्पू को खोज रहे हैं, तो यह नई राजनीति का पहला संदेश भी है। इस दौर की आक्रामकता की पेशगी में कंगना बता चुकी है कि वह अपनी तरह की बिसात पर कुछ भी फैला सकती है। प्रदेश में वह बनाम राजनीति का उद्भव तो ढूंढ चुकी है, लिहाजा उपमाएं बदलेंगी और सरोकार भी रक्षा कवच पहनेंगे। जो भी हो हिमाचल में अब सवाल कंगना बनाम विक्रमादित्य सिंह तक ही नहीं। बागी कांग्रेसी बनाम कांग्रेस, राजनीतिक गोटियां बनाम हकीकत, दोस्त बनाम कार्यकर्ता, पूर्व मुख्यमंत्री बनाम वर्तमान, डबल इंजन बनाम व्यवस्था परिवर्तन और इसी तरह उम्मीदवारों के चयन में कहीं गद्दी बनाम चौधरी, पंडित बनाम राजपूत और दलित बनात कबायली भी होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस क्या ओपीएस, रोजगार, निवेश, केंद्र संबंधों, हिमाचली अधिकारों, और सवा साल की सत्ता के बनाम भाजपा के खोट कुशलता से रख पाएगी। जनता के लिए बहस को पटरी पर लाने की चुनौती दोनों पार्टियों की रहेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा। कांग्रेस के लिए बागी विधायकों को निपटाना सबसे बड़ी चुनौती है, लिहाजा बयानों की फेहरिस्त में जाहिर तलख्यिों का विवरण ढूंढना कठिन है।

देश दुनीया से

न्यायिक व्यवस्था में मिसाल बनेंगे न्यायमूर्ति रमना

न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की स्वीवृति के बाद न्यायमूर्ति नथालापति वेंकट रमना भारत के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआईं) होंगे। 64 वषाय जस्टिस रमना 24 अप्रैल को देश के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। दरअसल मौजूदा मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े का कार्यकाल 23 अप्रैल को पूरा हो रहा है और अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्होंने पिछले महीने न्यायमूर्ति एनवी रमना के नाम की सिफारिश की थी। नियमानुसार मौजूदा मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले वेंद्रीय कानून मंत्री को एक लिखित पत्र भेजकर नईं नियुक्ति के लिए सिफारिश करते हैं। कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्रायः उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। बहरहाल राष्ट्रपति की स्वीवृति के पात अब जस्टिस एनवी रमना ही देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनका कार्यकाल डेढ़ वर्ष से भी कम समय का होगा, वे 26 अगस्त 2022 को इस पद से सेवानिवृत्त होंगे। इस प्रकार वे महज 16 महीने तक ही इस महत्वपूर्ण पद पर रहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके न्यायमूर्ति रमना 17 फरवरी 2014 से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों में जस्टिस बोबड़े के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। 27 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश के वृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में एक किसान परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति रमन्ना ने विज्ञान और वकालत में स्नातक किया है। वकालत करने के बाद जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने करीब दो साल तक एक तेलुगू दैनिक अखबार में संपादकीय कार्यं किया और वकालत वैरियर की शुरुआत 10 फरवरी 1983 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक वकील के तौर पर की। उसके बाद वे आंध्र प्रदेश के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल भी बने। 27 जून 2000 को आंध्र प्रदेश हाईं कोर्ट के स्थायी जज के तौर पर उनकी नियुक्ति हुईं। 13 मार्च 2013 से 20 मईं 2013 के दौरान न्यायमूर्ति रमना आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश भी रहे और 2 सितम्बर 2013 को पदोन्नति के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 17 फरवरी 2014 को न्यायमूर्ति एन वी रमना सर्वोच्च न्यायालय के जज बने। जस्टिस रमना आंध प्रदेश हाईं कोर्ट के पहले ऐसे न्यायाधीश होंगे, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। हालांकि तेलुगू भाषियों की बात की जाए तो वे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले दूसरे ऐसे न्यायाधीश होंगे। जस्टिस एनवी रमना से पहले के सुब्बा राव भारत के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 15 जुलाईं 1902 को मद्रास प्रेसीडेंसी में जन्मे सुब्बा राव 30 जून 1966 से 11 अप्रैल 1967 तक देश के मुख्य न्यायाधीश रहे थे। जस्टिस रमना अपने अब तक के कार्यकाल में अपने कईं महत्वपूर्ण पैसलों को लेकर काफी चर्चित रहे हैं लेकिन सर्वाधिक चर्चा में वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री रेड्डी ने उन पर आरोप लगाया था कि वह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहे हैं। रेड्डी ने अमरावती जमीन घोटाले में भी जस्टिस रमना के परिवार के वुछ सदस्यों की भूमिका का आरोप लगाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच के बाद मुख्यमंत्री की इस शिकायत को खारिज करते हुए उनके आरोपों को झूठा, तुच्छ, आधारहीन और गलत करार देते हुए इसे न्यायपालिका को धमकाने का प्रयास बताया। न्यायमूर्ति रमना ने अपने अभी तक के कार्यकाल में देश की शीर्ष अदालत में कईं हाईं प्रोफाइल मामलों को सुनवाईं की और उनके ऐसे कईं पैसले काफी चर्चित रहे।

कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्रायः उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं।

आप का नजरीया

खटाखट कैसे मिटेगी गरीबी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'गरीबी मिटाओ' का एक फॉर्मूला दिया है। उनके मुताबिक, यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में एक लाख रुपए सालाना जमा कराए जाएंगे। वह गरीब परिवार किसान, मजदूर या किसी का भी हो सकता है, उस परिवार की महिला को 8500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह आर्थिक मदद तब तक जारी रहेगी, जब तक वह परिवार गरीबी-रेखा से बाहर नहीं आ जाता। क्या कांग्रेस ने ऐसी योजना के अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है? सबसे अहम सवाल तो गरीबों की संख्या का है। दरअसल ऐसे गरीबों की देश में कितनी संख्या है, यह न तो कांग्रेस को पता है और न ही सरकार यह डाटा साझा करना चाहती है। गरीबी-रेखा की परिभाषा तक निश्चित नहीं है। देश में गरीबी की स्थिति क्या है, उसे लेकर भी विरोधाभास हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर आर्थिक असमानता के यथार्थ को दोहराया है। देश के 22 सबसे अमीर भारतीयों के पास इतना धन है, जितना 70 करोड़ लोगों के पास है। राहुल गांधी के अनुसार, मोदी सरकार ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। दि अरबपतियों के पास बेइंतहा आर्थिक संसाधन हैं, तो उनकी कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार भी देती हैं और करोड़ों रुपए के कर भी अदा करती हैं। बहरहाल राहुल गांधी का दावा है कि कांग्रेस देश से खटाखट गरीबी को मिटा देना चाहती है। हमारी जो गारंटी है, उसके जरिए हम एक ही झटके में गरीबी समाप्त कर देना चाहते हैं। राहुल गांधी की दादी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था और प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीता था। उसके बाद की कांग्रेस सरकारों में भी 'गरीबी' एक बुनियादी एजेंडा रहा, लेकिन एक समय आया था, जब 'योजना आयोग' (अब नीति आयोग) भी मानता था कि करीब 30 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। समितियां बनाई गईं, फॉर्म

मुजफ्फरनगर हादसे में 19 मजदूरों को निकाला गया, दो की मौत

मुजफ्फरनगर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर हादसे में चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार सुबह खत्म हो गया। 15 घंटे से ज्यादा समय तक चले इस ऑपरेशन में 19 मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया। हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 17 मजदूरों को बचा लिया गया है। मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक डीके ठाकुर ने बताया कि मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ-एसडीआरएफ समेत कई टीमें लगी थीं। रविवार की शाम शुरू हुए इस अभियान की समाप्ति सोमवार की सुबह उस वक्त हुई जब सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद इस बात की पुष्टि हो गई कि मलबे में कोई मजदूर नहीं दबा है और बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया। अभियान में स्थानीय पुलिस प्रशासन सहित एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें रात भर लगी रही। मौके पर एडीजी मेरठ जोन के अलावा डीआईजी सहारनपुर अजय कुमार साहनी, एसएसपी अभिषेक सिंह, जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा

भारत को राम राज्य बनने के लिए अब कोई नहीं रोक सकता

कठुआ (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए कठुआ-डोडा-उधमपुर लोकसभा क्षेत्र में प्रचार अभियान तेज हो गया है। राजनीतिक दलों के नेता अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांग रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को जिला कठुआ के बसोहली क्षेत्र में चुनावी रैली में कहा कि भारत को राम राज्य बनने के लिए अब कोई नहीं रोक सकता, जिसका आगाज अब हो चुका है। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारे देश का धीरे-धीरे आर्थिक रूप से सुधार होना शुरू हुआ है। एक दौर ऐसा था कि भारत विश्व में 15वें स्थान पर आर्थिक रूप से खड़ा था लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 वर्षों में भारत पांचवें स्थान पर है और आने वाले 2027 तक भारत विश्व की टॉप 3 देश में से एक होगा। कांग्रेस पर निशाना साधते

हुए कहा कि अगर पिछले 70 वर्षों में कांग्रेस ने जो वादे देश की जनता के साथ किए थे अगर उस पर खरा उतरे होते तो आज भारत विश्व के 5वीं अर्थव्यवस्था पर खड़ा होता लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने बड़े-बड़े घोषणा पत्रों में जो वादे किए थे उस पर खरा नहीं उतरे लेकिन देश में भाजपा सरकार बनी तो उन्होंने सबसे पहले जम्मू कश्मीर में धारा 370 को निरस्त किया। यह वादा मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर की जनता के साथ किया था और आज पूरा हुआ है। कांग्रेस 1984 से एक ही नारा देते रहे कि राम मंदिर बनाएंगे लेकिन 30 वर्ष बीत जाने के बाद वहां पर कोई भी राम मंदिर नहीं बनाया गया। लेकिन मोदी जी की सरकार ने मात्र 10 वर्षों के अंदर ही राम जी का मंदिर बना दिया जिसकी प्राण प्रतिष्ठा मोदी जी ने की। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने डंके की चोट पर 5 वर्षों के अंदर समान नागरिक संहिता लागू की लेकिन इस पर भी कुछ दल अफवाहें उड़ा रहे हैं इसे लेकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने लोगों को आश्वासन दिया कि सीएए के कार्यान्वयन के बाद कोई भी भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता नहीं खोएगा, जबकि भाजपा अगले पांच वर्षों में पार्टी घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार समान नागरिक संहिता को लागू करने का अपना वादा निभाएगी। तीन तलाक पर राजनाथ सिंह ने कहा कि चाहे उनकी पार्टी सरकार बनाए या न बनाए, महिलाओं की गरिमा और सम्मान पर हमला उन्हें स्वीकार्य नहीं है। राहुल गांधी और प्रियंका पर तंज कसते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा समाप्त करने के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गुलमर्ग में बर्फ के साथ खेलते नजर आए थे, यह तभी संभव हुआ है जब अनुच्छेद 370 को हटाया गया है। सिंह ने कहा कि यहां के कुछ राजनीतिक दलों ने कहा था कि जब अनुच्छेद 370 समाप्त होगी तो जहां पर तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं रहेगा लेकिन आज जम्मू कश्मीर के हर घर-घर और कोने-कोने में तिरंगा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर को ब्याज सहित चीजें लौटाई हैं। जम्मू-कश्मीर विकास और प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भगवा क्रांति ने निकाली भव्य शोभायात्रा

भागलपुर (हिंस)। हर साल की भांति इस बार भी लगातार चौथी बार भगवा क्रांति द्वारा सोमवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में शहर के हजारों लोग शामिल हुए, जिसको लेकर चप्पे चप्पे पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर थी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। यह भव्य शोभायात्रा शहर के घंटाघर चौक से प्रारंभ होकर शहर भ्रमण किया। इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण श्री राम की भव्य प्रतिमा और झारखंड का भक्तिमय बैंड की धुन थी, जिसके धुन पर श्रीराम भक्त जमकर झूमे नाचे और गाए। पूरा शहर श्री राममय और केसरियामय हो गया। भगवान श्री राम के शोभायात्रा में भागलपुर शहर के हजारों लोग शामिल थे साथ ही भव्य शोभा यात्रा के आयोजन भगवा क्रांति के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिहार के औरंगाबाद में बोले योगी

उप्र के लोगों ने परिवार वालों को नकार दिया, अब बिहार के लोगों की बारी

पटना/औरंगाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिहार के औरंगाबाद पहुंचे। उन्होंने यहां औरंगाबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुशील सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों ने परिवार वालों को नकार दिया, अब बिहार के लोगों की बारी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण को दौरान राजद एवं सपा पर एक साथ हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजद से कोई उम्मीद न कीजिए। यह चुनाव नेशन फर्स्ट और फैमिली फर्स्ट के बीच होने जा रही है। अच्छा हुआ कि एनडीए को बिहार में और सशक्त बनाने में हमें सफलता प्राप्त हुई। बिहार में लालू यादव के परिवार के लिए ही सीट कम पड़ रही थी। यह परिवार तक ही सीमित हो गए। परिवार के बाहर सोच है ही नहीं। विकास भी परिवार का, सीट भी परिवार को, योजनाओं का लाभ भी परिवार को ही मिलना है। योगी ने कहा कि एक परिवार बिहार और एक परिवार उत्तर प्रदेश में है। उप्र

की जनता उन्हें जवाब दे चुकी है, अब बिहार के लोगों को जवाब देने के लिए तैयार होना है। जातिवादी ताकतों को नकार दें। उप्र मुख्यमंत्री योगी ने केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 50 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट मोदी सरकार में खोल दिए गए हैं। इससे दिल्ली से सरकार कोई पैसा भेजती है तो सीधे अकाउंट में जाए। बीच में कोई दलाल डकैती न डालने पाए। पीएम आवास योजना में चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दिया गया है। योगी ने कहा कि हम लालूजी से कहेंगे, आप संख्या बढ़ाइए, मोदीजी फ्री में मकान दे ही रहे हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और आवास देंगे। उप्र व बिहार को इसका सर्वाधिक लाभ भी मिलेगा। योगी ने कहा कि कोरोना के दौरान बिहार के लोग अन्य राज्यों से निकल रहे थे तो हमने कहा कि यह मां सीता के मायके के लोग हैं, उनसे भेदभाव नहीं होगा, जो सुविधा उप्र वासियों को मिले, वही सुविधा बिहार वालों को भी मिले। यूपी में मिली सुविधा की सभी लोगों ने सराहना की थी। योगी ने कहा कि राजद के समय बिहार के सामने पहचान का संकट हो गया था। उन्होंने वही गुंडाराज फिर से लागू करने का प्रयास किया, लेकिन यूपी में गुंडों को लटका दिया जाता है, मिर्च का झोंका अलग से लगा दिया जाता है। वे गले में तख्ती लगाकर चलते हैं कि एक बार जान बख्श दो, अब कोई गलती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनवाया तो दूसरी तरफ बड़े-बड़े माफिया को राम नाम सत्य की यात्रा पर भी भेज दिया। बोलचाल में हम राम-राम और जयश्री राम बोलते हैं, लेकिन देश के खिलाफ साजिश करने वालों का राम नाम सत्य भी करते हैं। उप्र मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ के उप्र में कोई दंगा, कर्फ्यू या समस्या नहीं है। यह काम केवल भाजपा व एनडीए ही कर सकेगी।

भारतीय सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान ने अपना बीसवां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर (हिंस)। भारतीय सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान ने सोमवार को अपना बीसवां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस पर प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया और बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यह आयोजन उस बहादुरी और निस्वार्थता की एक मार्मिक याद दिलाता है जो कमान के स्वभाव का मूल है। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने एक नवंबर 2023 को दक्षिण पश्चिमी कमान की बागडोर संभाली जिसे सप्त शक्ति कमान के नाम से भी जाना जाता है। कमान ने अपना 20वां स्थापना दिवस 15 अप्रैल 2024 को मनाया। अपनी स्थापना के दो दशक पूरे होने पर, यह कमान राष्ट्र निर्माण और अपने आदर्श वाक्य के अनुरूप भारतीय सेना की अदम्य भावना और अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ी है। कर्नल शर्मा ने बताया कि दक्षिण पश्चिमी कमान की स्थापना 15 अप्रैल 2005 को जयपुर में की गई और इसे लेफ्टिनेंट जनरल के. नागराज आर्मी कमांडर द्वारा 15 अगस्त 2005 को ऑपरेशनलाइज किया गया था। दक्षिण पश्चिमी कमान

भारतीय सेना की सातवीं और सबसे युवा कमान है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों में दक्षिण पश्चिमी कमान ने व्यावसायिकता का एक उच्च मानदंड स्थापित किया है और *सर्वदा विजयी भव* के आदर्श वाक्य के साथ पश्चिमी सीमाओं पर एक मजबूत पकड़ स्थापित की है और हर समय निर्णायक जीत हासिल करने के लिए परिचालन रूप से तैयार है। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सभी रैंकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने सभी कर्मियों के अनुकरणीय समर्पण, साहस और बलिदान की सराहना की, जिसने कमान के झंडे को ऊंचा रखा है।

सपा संस्कार विहीन पार्टी : साध्वी निरंजन ज्योति

फतेहपुर (हिंस)। सोमवार को शहर मुख्यालय के शादीपुर चौराहे में अपने केंद्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति ने भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाई। वहीं सपा प्रत्याशी रूची वीरा के बीजेपी प्रत्याशी पर भेड़िए का शिकार करने वाले बयान देने पर उन्होंने कहा जो गंगा मां को चुड़ैल, भारत मां को डायन और राम को अय्यास बोल सकते, इनसे और कोई उम्मीद नहीं की जा सकती, सपा संस्कारविहीन पार्टी है। यूसीसी पर टीएस हसन के

कुरान और शरीयत वाले बयान पर साध्वी ने कहा कि देश में संविधान से बढ़कर कुछ नहीं, ऐसे बयान से जनता भड़कने वाली नहीं है। मायावती के पश्चिम यूपी को अलग राज्य बनाने के बयान पर साध्वी ने कहा कि मायावती दिन में स्वप्न देख रही हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत की लम्बी छलांग वाला : अनिल राजभर

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र देश के 15 लाख जनता के सुझाव पर बनाए गए हैं। भाजपा का संकल्प और मोदी की गारंटी पर जनता को अटूट विश्वास है और पूरे देश ने इस बात को माना है कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी के पूरे होने की गारंटी। क्योंकि भाजपा जो कहती है उसे तो पूरा करती ही है और जो नहीं भी कहती है लेकिन जनता के हित में यदि जरूरी होते हैं तो उसे भी पूरा करके दिखाती है। यह संकल्प पत्र विकसित भारत की लम्बी छलांग वाला है। यह बातें सोमवार को कैबिनेट मंत्री और लोकसभा क्लस्टर प्रभारी अनिल राजभर ने महानगर, गंगापार एवं यमुनापार द्वारा लोक संकल्प पत्र को लेकर सिविल लाइन में प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि आज देश की जनता को विश्वास है कि यदि मोदी की गारंटी है तो यह पूरा होकर रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 और 2019 में प्राप्त पूर्ण बहुमत को गांव, गरीब, वंचित, दलित, महिला, युवा और किसान को समर्पित किया और उनका जीवन हर क्षण राष्ट्र के विकास और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित है। भाजपा का संकल्प पत्र 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे कहा कि यह संकल्प पत्र विकसित भारत के चार स्तम्भ युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान और गरीब सभी को सशक्त करता है और हमारा फोकस डिग्निटी ऑफ लाइफ, क्वालिटी ऑफ लाइफ, निवेश से नौकरी पर है। इस संकल्प पत्र में क्वांटिटी ऑफ अपॉर्चुनिटी और क्वालिटी आप अपरटुनिटीस दोनों पर बहुत जोर दिया गया है। एक तरफ हमने सारे इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से बड़ी संख्या में रोजगार बनाने की बात की है तो दूसरी तरफ हम स्टार्टअप ऑफ ग्लोबल सेंटर्स को बढ़ावा देकर हाई वैल्यू सर्विसेस पर भी ध्यान देने जा रहे हैं। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 साल तक जारी रहेगी। भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। भारत आज वूमेन लीड डेवलपमेंट में दुनिया को दिशा दिखा रहा है। आने वाले 5 वर्ष नारी सशक्तिकरण की नई भागीदारी के होंगे। राजभर ने कहा कि भाजपा द्वारा विश्व प्रवासी ग्लोबल टूरिस्ट को हमारी विरासत से जोड़ा जाएगा और इस विरासत को हम वर्ल्ड हेरिटेज से जोड़ेंगे। 21वीं सदी के भारत की बुनियाद भाजपा तीन तरह से इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही है। पहला सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, दूसरा फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर व तीसरा है डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में बड़े और कड़े निर्णय से कभी पीछे नहीं हटती। हमारे लिए दल से बड़ा देश है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब कानून बन चुका है। उन्होंने कहा जब तक भारत एक समान नागरिक संहिता नहीं अपनाता है तब तक लैंगिक समानता नहीं हो सकती। भाजपा एक समान नागरिक संहिता बनाने के लिए अपने रुख को दोहराती है।

जूनागढ़ किले की खाई में मिले सोने के बिस्किट, पुलिस ने सुरू की जांच

बीकानेर (हिंस)। जूनागढ़ किले की खाई में सोने के दो बिस्किट मिलने की ख़बर ने जूनागढ़ की खाई में बड़ा खजाना होने की संभावनाओं को हवा दे दी है। मामले में कोटगेट थाना पुलिस ने जूनागढ़ से जुड़े एक सुपरवाइजर के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया है। कोटगेट थानाधिकारी मनोज शर्मा ने बताया कि राजघराने से जुड़े रायसिंह ट्रस्ट के लेखाकार संजय शर्मा ने एसपी बीकानेर को परिवाद दिया था। एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है। परिवादी के अनुसार जूनागढ़ की खाई में निर्माण कार्य चल रहा है। मजदूरों को खुदाई व निर्माण के वक्त खाई में सोने के दो बिस्किट मिले। उन्होंने ये बिस्किट सुपरवाइजर प्रहलाद सिंह को दिए। सुपरवाइजर ने ये सोना न तो सरकार को सौंपा और न ट्रस्ट को ही सूचना दी। अकाउंटेंट ने आरोप लगाया कि सुपरवाइजर ने खुर्द-बुर्द करने की नीयत से इस बारे में किसी को नहीं बताया।

देश की दशा व दिशा तय करेगा आने वाला चुनाव : अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल सोमवार को बज्जू व रावला मंडी के चुनावी दौरे पर रहे। इससे पहले वे बीकानेर की वाल्मिकी बस्ती में आयोजित समारोह में भी पहुंचे इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद पीठाधीश्वर बाल योगी संत उमेश नाथ महाराज मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अर्जुनराम मेघवाल का स्वागत किया गया। मेघवाल बोले कि संतों का आशीर्वाद सदैव मेरे साथ रहा है और आज उज्जैन से उमेशनाथ महाराज मुझे आशीर्वाद देने मुझे बीकानेर पधारे है। ये चुनाव देश की दशा व दिशा तय करने वाला चुनाव है। जहां पूरा विपक्ष भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रहा

है और राष्ट्रहित में काम करने वाली केंद्र की मोदी सरकार को सता से विमुख के सपने देख रहा है। वहीं भाजपा आपके दम पर यह चुनाव लड़ रही है। भाजपा नेताओं को विश्वास है कि मोदी के हाथ देश सुरक्षित है। इसलिए बिना नेता व नीति वाले दलों को दरकिनार कर आप सब भाजपा के पक्ष में वोट कर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में अपना योगदान अवश्य दें। उन्होंने केंद्र व राज्य की सरकार की योजनाओं को गिनाते हुए आने वाले पांच सालों में भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा किये जाने वाले कार्यों का लेखा जोखा भी जनता के सामने रखा। जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी का जगह जगह स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर उनके साथ विधायक जेठानंद व्यास, अंशुमान सिंह भाटी, महावीर रांका, जगदीश सोलंकी, सोहन चांवरिया सहित बड़ी संख्या में मंडल के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, ग्रामीण मौजूद रहे।

जनहित में जरूरत पड़ी तो संविधान में बदलाव संभव : प्रतुल शाहदेव

रामगढ़ (हिंस)। भाजपा ने मोदी की गारंटी वाला संकल्प पत्र जारी किया। इसके बाद झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव सोमवार को रामगढ़ पहुंचे और मोदी की गारंटी वाले वादों की सूची जारी की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 400 सीटें जीतकर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के संविधान बदलने वाली टिप्पणी पर भी अपनी प्रतिक्रिया रखी। उन्होंने कहा कि जनहित में जब भी जरूरत पड़ी है संविधान में बदलाव हुआ है। जनहित में जरूरत पड़ेगी तो संविधान में बदलाव भी संभव है। भाजपा पीछे नहीं हटेगी। यूसीसी कानून भी उसका एक उदाहरण है। देश में दो संविधान के पक्षधर हम नहीं हैं। आज सरियत कानून लागू है और कांग्रेस उसकी हिमायती है। हम उस कानून से ऊपर उठकर सभी जनता को एक समान अधिकार देना चाहते हैं।

दिव्यांगजनों ने साईकिल रैली निकालकर मतदान करने का दिया संदेश

किशनगंज (हिंस)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी तुषार सिंगला ने दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक करने हेतु साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर समाहरणालय परिसर से सोमवार को रवाना किया। यह रैली डे मार्केट से गांधी चौक होते हुए मनोरंजन क्लब पहुंची। रैली में लगभग 25 दिव्यांगजन अपने बैट्री चालित ट्राईसाईकिल पर सवार होकर चल रहे थे। उनके साथ साथ 20 स्काउट गाइड का जस्ता तथा बुनियाद संजीवनी वाहन को भी शामिल किया गया था। रैली में राज्य पीडब्ल्यूडी स्वीप आइकॉन अभ्युदय शरण भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी परवीन जहां, स्थापना उप समाहर्त्ता संदीप कुमार, जिला योजना

पदाधिकारी कुंदन कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी मो. मिन्हाजुद्दीन, सचिव इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी आभास साहा, जिला बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, निशा कुमारी, डीपीएम जीविका दीपक कुमार, प्रबंधक, बुनियाद केंद्र किशनगंज नूरी बेगम, भारत स्काउट गाईड किशनगंज भी शामिल हुए। रैली में किशनगंज के आम जनता, खासकर दिव्यांगजनों को 26 अप्रैल दिन शुक्रवार को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। मतदान के महत्व और लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका के संबंध में मतदाता जागरूकता तथा मतदाताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और चुनावों को सबसे नैतिक और कुशल तरीके से पूरा करने में स्वीप कोषांग की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वीप के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम पूरे जिले में चलाया जा रहा है। इस कड़ी में बूथ स्तर पर रोज रोज विभिन्न कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। बूथ स्तर पर संबंधित बीएलओ, आंगनवाड़ी सेविका, आशा दीदी जीविका दीदी तथा विकास मित्रों की एक संयुक्त टीम बनाई गई है जो अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदाताओं को वोट करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। विभिन्न पंचायतों में हो रही गतिविधियों का अनुश्रवण हेतु स्वीप कोषांग में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपा गया है।

रामनवमी जुलूस को लेकर 139 स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

अररिया ((हिंस)। अररिया जिला प्रशासन ने रामनवमी के मौके पर निकलने वाले जुलूस और पूजा को लेकर जिले में 139 स्थानों पर मजिस्ट्रेट,पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की है। डीएम इनायत खान और एसपी अमित रंजन ने मामले में संयुक्त आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन ने विधि व्यवस्था संधारण को लेकर अररिया अनुमंडल में 67 एवं फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र में 72 स्थलों पर दण्डाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं बलों की प्रतिनियुक्त की है। लोकसभा आम निर्वाचन को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु घोषणा तिथि से आदर्श आचार संहिता लागू है। रामनवमी पर्व के दौरान भी आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इसलिए सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को निदेशित किया गया है कि वे अपने प्रतिनियुक्ति क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। सभी थानाध्यक्ष को अनुज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से रूट चार्ट एवं समय का उल्लेख करना अनिवार्य बताया गया है। किसी भी परिस्थिति में चिन्हित रूट के अतिरिक्त अन्य रूट का उपयोग नहीं किया जाएगा। प्रत्येक जुलूस में शामिल आयोजक समिति को आई कार्ड में रहने तथा जुलूस में केवल अनुमोदित गानों का ही प्रयोग करने की छूट प्रदान की जाएगी। सभी प्रंखड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष को सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने तथा कहीं से भी सूचना प्राप्त होने पर अविलंब वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। रामनवमी में विधि व्यवस्था को लेकर जिला मुख्यालय, अनुमंडल मुख्यालय अररिया एवं अनुमंडल मुख्यालय फारबिसगंज में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिला नियंत्रण कक्ष दूरभाष संख्या 06453-222309 पर, अररिया अनुमंडल नियंत्रण कक्ष 06453-222070 पर, फारबिसराज अनुमंडल नियंत्रण कक्ष 06455-222196 पर कार्यरत रहेगा। सदर अस्पताल, रेफरल अस्ताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष आकश्मिक दवाओं के साथ चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

जनवरी-मार्च तिमाही में कुल बिक्री में सस्ते घरों की हिस्सेदारी घटकर 22 प्रतिशत पर

नई दिल्ली।
लक्जरी फ्लैटों की मजबूत मांग के बीच देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च के दौरान कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी (जिनकी कीमत 45 लाख रुपये तक है) आधे से भी अधिक घटकर 22 प्रतिशत रह गई। कैलेंडर वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत थी।

हाउसिंग ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर.कॉम के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मार्च 2024 के दौरान शीर्ष आठ शहरों में आवास की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 1,20,640 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 85,840 इकाई थी।

महामारी के बाद महंगे घरों की बढ़ी बिक्री

जनवरी से मार्च के दौरान 1,20,640 आवास इकाइयों की कुल बिक्री में 25 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी। पिछले साल इसी अवधि में इस श्रेणी के घरों की बिक्री की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत थी। जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 25-45 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी।

प्रॉपटाइगर.कॉम ने अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट रियल इनसाइट रेजिडेंशियल जनवरी-मार्च 2024 महामारी के बाद अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री बढ़ी है। 2024 की पहली तिमाही में एक करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है, जो 2023 की समान अवधि में 24 प्रतिशत से काफी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल बिक्री में 45-75 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत पर स्थिर रही। कुल बिक्री में 75 लाख से एक करोड़ रुपये की लागत वाले घरों की हिस्सेदारी इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 12 प्रतिशत थी।

शामिल हैं ये शहर

शीर्ष आठ शहर अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली- एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और पुणे हैं। दिल्ली-एनसीआर में गाजियाबाद, फरीदाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गुरुग्राम शामिल हैं। एमएमआर में मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीते वित्त वर्ष रिकार्ड 18 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ी, लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी कैपिसिटी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकार्ड 18.48 गीगावाट की बढ़ोतरी की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के डाटा के अनुसार, इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 21 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15.27 गीगावाट की वृद्धि हुई थी। बढ़ानी होगी क्षमता उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को अगले छह वर्षों के दौरान सालाना कम से कम 50 गीगावाट क्षमता बढ़ानी होगी। डाटा के अनुसार, 31 मार्च 2024 को भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 143.64 गीगावाट हो गई है। जल विद्युत क्षमता नहीं है शामिल इसमें 47 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता शामिल नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हम समय से पहले 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार करने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। आंकड़ों से पता चला कि 12.78जीडब्लू की सौर स्थापनाओं से 2023-24 में 15.27 जीडब्लू की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई, इसके बाद 2.27 जीडब्लू पवन ऊर्जा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बीच कुल सौर स्थापित क्षमता 81.81 गीगावॉट पर चार्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद लगभग 46 गीगावॉट पवन ऊर्जा, 9.43 गीगावॉट बायोमास सह-उत्पादन और 5 गीगावॉट लघु पनबिजली (प्रत्येक 25 मेगावाट क्षमता तक) है। बता दें राज्यों में गुजरात और राजस्थान में लगभग 27 गीगावॉट की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, इसके बाद तमिलनाडु में लगभग 22 गीगावॉट, कर्नाटक में लगभग 21 गीगावॉट और महाराष्ट्र में लगभग 17 गीगावॉट है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश ने लगभग 11 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।

सोना 72 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव भी तेजी के साथ कारोबार करने लगे। सोमवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की तेजी के साथ 72,030 रुपये के भाव पर खुलकर 223 रुपये की तेजी के साथ 72,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 14 रुपये की गिरावट के साथ 8,2799 रुपये के भाव पर खुलकर 419 रुपये की तेजी के साथ 83,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,369.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

बायजू इंडिया के सीईओ अर्जुन मोहन ने दिया इस्तीफा, रविंद्रन खुद संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली । बायजू इंडिया के सीईओ और संस्थापक बायजू रवींद्रन के विश्वासपात्र अर्जुन मोहन ने यह पद संभालने के छह महीने बाद कंपनी छोड़ दी है। यह एक महत्वपूर्ण शीर्ष-स्तरीय इस्तीफा है जो परेशान एडटेक फर्म को और संकट में डाल सकता है। हालांकि खबरों के अनुसार अर्जुन बाहरी सलाहकार के तौर पर बायजू को अपना सहयोग देते रहेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कंपनी के संस्थापक रवींद्रन पिछले एक साल से कंपनी को परेशान करने वाली कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। कंपनी के एक बयान के अनुसार मोहन के जाने के बाद रवींद्रन थिंक एंड लर्न के तहत आने वाले भारतीय कारोबार के लिए दिन-प्रतिदिन के संचालन का नियंत्रण संभालेंगे। रवींद्रन लगभग चार साल बाद दैनिक मामलों के शीर्ष पर लौट रहे हैं। वह वर्तमान योजनाओं के अनुसार, नवीनतम बदलावों पर आंतरिक रूप से घोषणा कर सकते हैं। मोहन ने पिछले साल कंपनी के सीईओ के रूप में मृणाल मोहित की जगह ली थी। ये दोनों रवींद्रन के संस्थापक टीचिंग कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के शुरुआती दिनों में पूर्व छात्र थे। सितंबर 2023 में मृणाल मोहित बायजू से जाने के बाद कंपनी ने अर्जुन मोहन को अपने भारतीय कारोबार का सीईओ बनाया था। अर्जुन मोहन जुलाई 2023 में बायजू से उसके इंटरनेशनल बिजनेस के सीईओ के तौर पर दोबारा जुड़े थे। इससे पहले वे बायजू के साथ करीब 11 सालों तक काम कर चुके थे। बाद में वे इंडिया बिजनेस के सीईओ के तौर पर अपग्रैड में चले गए थे। दिसंबर 2022 में उन्होंने से अपग्रैड से इस्तीफ दे दिया था। अर्जुन ने एजुकेटिंग ए बिलियन नामक किताब भी लिखी है।

टेस्ला के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाएगी टाटा

कंपनियों के बीच डील, भारत में इस महीने कार मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकती है टेस्ला

नई दिल्ली।
अब टेस्ला की सभी कारों के लिए सेमीकंडक्टर चिप टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बनाएगी। अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरर टेस्ला ने इसके लिए टाटा के साथ स्ट्रैटेजिक डील साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ला के ग्लोबल सप्लाई के लिए चिप मैन्युफैक्चर करेगी।

यह डील ऐसे समय में हुई है जब टेस्ला के मालिक एलन मस्क भारत आने वाले हैं। मस्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया कि मस्क 22 से 27 अप्रैल के बीच भारत आ सकते हैं।

इस दौरान टेस्ला के मालिक भारत में कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान कर सकते हैं। मस्क ने ङ्ग पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी से मुलाकात का इंतजार है। उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले मस्क दो बार पीएम मोदी से मुलाकात कर चुके हैं।

कार मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी स्टोरेज प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला

3 अप्रैल को ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया था कि टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में 2 से 3 बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया था कि इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का फोकस महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा। इसकी वजह इन राज्यों के पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा।

टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है। कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था।

भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे मस्क

एलन मस्क भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करने के प्लान की घोषणा करेंगे। टेस्ला न केवल भारत के लिए कारों की मैन्युफैक्चरिंग करना चाहती है, बल्कि यहां से उन्हें ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट भी करना चाहती है।

इसके अलावा मस्क भारत में जल्द ही सैटेलाइट बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विसेज भी शुरू कर सकते हैं। बताया कि स्टारलिंक के लिए रेगुलेटरी अप्रूवल्स फाइनल स्टेज में है और कंपनी को जल्द ही लाइसेंस मिलने की उम्मीद है।

सरकार की नई ईवी पॉलिसी से टेस्ला की एंट्री आसान हुई

एक महीने पहले भारत सरकार ने ईवी पॉलिसी में बदलाव किया था। नई पॉलिसी के अनुसार, कुछ मॉडल्स के इंपोर्ट पर इंपोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके लिए निवेशकों को कम से कम 50 मिलियन डॉलर (करीब 4,172 करोड़) निवेश करना होगा। सरकार के इस नई पॉलिसी से लंबे समय से भारत में आने का रास्ता तलाश रही अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के लिए भारत में एंट्री आसान हो गई।

सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर

टेस्ला की सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर है। एक बार चार्ज करने पर 263 किलोमीटर तक जा सकती है। इसमें पांच लोगों के बैठने की जगह है। टॉप स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटा है। 5.3 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। मॉडल वाय सात सीट वाली गाड़ी है। इसकी कीमत अमेरिका में 54,000 डॉलर है। यह एक बार चार्ज होने पर 326 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी टॉप स्पीड 135 किलोमीटर प्रति घंटा है। 4.8 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की स्पीड में आ सकती है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।
भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है।

कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

एडटेक फर्म अपग्रेड ने प्रदान की 55 हजार नौकरियां

upGrad

मुंबई।
एडटेक और स्किलिंग कंपनी अपग्रेड ने सोमवार को वित्त वर्ष 24 में 55 हजार लोगों को रोजगार प्रदान करने की जानकारी दी।

कंपनी ने कहा, इनमें लगभग तीन हजार राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में नई नौकरियां, करियर स्विच और पदोन्नति शामिल हैं। इसमें वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए की बेसलाइन से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक हैं।

कंपनी ने मुख्य रूप से मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में देखी गई और लगभग 50 प्रतिशत नियुक्तियां मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई में की गईं। इसके बाद पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव, अहमदाबाद, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में हायिरंग की। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें लगभग दो-तिहाई महिला प्रोफेशनल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और प्रौद्योगिकी में अपग्रेड के मुफ्त पाठ्यक्रमों में 1.4 लाख से अधिक नामांकन हुए।

अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार ने कहा, हमने विभिन्न विषयों के साथ एक ठोस और एकीकृत शिक्षण व्यवस्था बनाई है। शिक्षार्थियों के बेहतर करियर लिए इसे पुनर्गठित किया गया है। नए लोगों, पहली बार नौकरी चाहने वालों, मध्य और वरिष्ठ पेशेवरों को नौकरियों में रियल टाइम पर लाभ के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जिसका अब विस्तार किया जाएगा। वित्त वर्ष 24 में, अपग्रेड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग छह लाख कॉर्पोरेट पेशेवरों को प्रशिक्षित किया।

लोकसभा चुनाव से पहले आलू-प्याज की थोक कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा, डब्ल्यूपीआई मार्च में 0.53 प्रतिशत पर

नई दिल्ली ।
थोक महंगाई दर मार्च महीने में मामूली रूप से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गई है, यह पिछले महीने में 0.2 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी।

आलू-प्याज की कीमतों में मार्च में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा

थोक प्याज की कीमतें फरवरी में 29.22 प्रतिशत बढ़ी थीं जो मार्च में 56.99 प्रतिशत तक बढ़ गईं। भारत को अगली खरीफ फसल की कटाई तक प्याज की आपूर्ति में बड़ी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आलू के थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 52.96 प्रतिशत बढ़े जबकि फरवरी में इसमें 15.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले मार्च महीने में प्याज की थोक कीमतों में 36.83 प्रतिशत और आलू में 25.59 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।

थोक खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत का इजाफा

मार्च, 2024 के महीने के लिए डब्लूपीआई सूचकांक में महीने-दर-महीने का परिवर्तन फरवरी, 2024 की तुलना में 0.40 प्रतिशत रहा। थोक खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 4.7 प्रतिशत तक बढ़ गई। वहीं, मासिक आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 0.11 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 1.01 प्रतिशत बढ़ी।

ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में देखी गई कमी

मार्च, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मशीनरी और उपकरण और अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की थोक मुद्रास्फीति मार्च में 4.87 प्रतिशत बढ़ी जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.19 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति मार्च में शून्य से 0.77 प्रतिशत घटी।

इमामी समूह के निदेशक बोले- देश में काम करने के पर्याप्त अवसर, लगातार मेहनत दिलाएगी सफलता

नई दिल्ली।
इमामी एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। कंपनी का विस्तार एफएमसीजी, रियल एस्टेट और स्वास्थ्य देखभाल समेत कई क्षेत्रों में है। 34,000 करोड़ रुपये की कंपनी 60 से अधिक देशों में अपने उत्पाद बेचती है। देश में इसके उत्पाद 45 लाख खुदरा दुकानों में उपलब्ध हैं। 70 के दशक में शुरू हुई इस कंपनी की नींव दो दोस्तों राधेश्याम अग्रवाल और राधेश्याम गोयनका ने रखी थी। 50 साल की यह यात्रा कैसी रही और क्या चुनौतियां आईं, इस पर समूह के निदेशकों आदित्य वी अग्रवाल और मनीष गोयनका से राहुल कांकरिया की खास बातचीत... इमामी ग्रुप ने हाल ही में अपनी 50वीं सालगिरह मनाई। इस यात्रा में सबसे मूल्यवान सीख क्या रही वर्षों की यात्रा का वर्णन इतने कम शब्दों में करना मुश्किल है, लेकिन हमारी सबसे बड़ी सीख यही रही कि लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। यही सफलता का मूलमंत्र है। इसके अलावा, खुद को सबसे आगे रखने के लिए आपको गुणवत्ता पर जोर देना होगा। 50 साल की इस यात्रा में हमने अपने बुजुर्गों से एकजुट होकर काम करना सीखा। उन्होंने हमें सबसे बड़ी चीज सिखाई कि आपस में विचार-विमर्श होंगे तो मतभेद भी होंगे, लेकिन कभी मनभेद नहीं होना चाहिए। यही हमारी तरक्की का सबसे बड़ा स्तंभ है। हमलोगों ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि हालात चाहे जैसे भी हों, कभी कोई गलत रास्ता नहीं चुनना है। दूरदर्शिता के साथ सबको साथ लेकर चलने की सीख इतने बड़े समूह को चलाने की हमारी यात्रा को आसान करती गई। इसके अलावा, कई बार आपको मजबूत फैसले लेने पड़ते हैं। विकास के नए अवसर खोजने और भविष्य को

आकार देने में साझेदारी की क्या महत्ता है केपीएमजी, ईएंडवाई और मैकेंजी जैसी कंपनियों को हमने जोड़कर रखा है। यह हमारे समूह के लिए सीखने का मजबूत जरिया है। इन कंपनियों के पास देश-विदेश में चल रहे कारोबारी गतिविधियों की जानकारी होती है। ऐसी सूचनाएं भी हमारे लिए भविष्य के नए अवसर खोजने में मदद करती हैं। मैकेंजी हमारी फूड प्रोडक्ट कंपनी इमामी एग्रो डिवीजन में विशेष कंसल्टेंसी कर रही है। समूह के पास उपभोक्ता सूची में नवीनता की विरासत है। आगे कौन से उत्पाद आएंगे इमामी हर समय ग्राहकों की प्रसन्नता वाले उत्पाद पर फोकस कर अपने नए उत्पाद बाजार में लाती है। फेयर एंड हैंडसम एक उदाहरण है। हम लोग हर समय कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। आगे भी हम ऐसे नए उत्पाद लोगों के बीच लेकर आएंगे। किन-किन क्षेत्रों में नए अवसर देख रहे हैं भारत अपने आप में बहुत बड़ा अवसर है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है। हमें खुशी है कि अपने देश में हमारे पास इतने मौके हैं। अगर हम आज की क्षमता के हिसाब से भी इन अवसरों को भुनाएं तो हमारी तरक्की की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा बढ़ सकती है। अभी हम खाद्य तेल के क्षेत्र में दक्षिण भारत में नहीं हैं। धीरे-धीरे वहां जाएंगे। हम 70 से ज्यादा देशों में मौजूद हैं। हमारे उत्पाद अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अन्य पड़ोसी देशों में लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारे कुछ उत्पाद तो नंबर-1 और नंबर-2 पर हैं। परंपरागत और आधुनिक व्यापार गतिविधियों में इमामी कैसे संतुलन बनाए रखती है कोई भी मूल्य परंपरागत या आधुनिक नहीं होते हैं। उनकी परिभाषा सिर्फ उनके शब्दों से बदल जाती है। हमारे जीवन के मूल्य हजारों साल से एक जैसे हैं। जैसे...सच बोलना चाहिए। बड़ों का सम्मान करना चाहिए। ये समय, काल और परिस्थितियों के आधार पर बदल नहीं सकते। इसी प्रकार, बिजनेस के मूल्य भी वैसे ही रहते हैं। वे बदल नहीं सकते।अंतरराष्ट्रीय बाजार में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा कंपनी 1974 में शुरू हुई। 1982-83 में रूस में हम बड़े स्तर पर निर्यात करते थे। इस दौरान समझ में आया कि अन्य देशों में काम करने के लिए वहां के सिस्टम, प्रोटोकॉल और अन्य कई प्रक्रियाओं का पालना करना पड़ता है। देश विशेष टीम अपने-अपने क्षेत्र में सपोर्टिव रहती है।

बुंडेसलिगा में बेयर लेवरकुसेन की खिताबी जीत

बर्लिन।

बायर्न म्यूनिख द्वारा लीग पर 11 साल तक लगातार दबदबा बनाए रखने के बाद, बेयर लेवरकुसेन ने आखिरकार वेर्डर ब्रेमेन को 5-0 से हराकर बुंडेसलीगा का खिताब जीत लिया। 29वें राउंड के समापन पर वेर्डर ब्रेमेन पर शानदार जीत के बाद, लेवरकुसेन ने पांच राउंड शेष रहते हुए अपना पहला बुंडेसलीगा खिताब जीता।

रिपोर्ट के अनुसार, मैच की शुरुआत से ही लेवरकुसेन ने अपना पक्ष हावी रखा और लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की।

लेवरकुसेन के प्रयासों का फल तब मिला जब विक्टर बोनीफ़ेस ने 22वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। फिर, वेर्डर ब्रेमेन ने कई बार कोशिश की लेकिन मेजबान टीम का दबदबा कायम रहा। लेवरकुसेन के गोलकीपर लुकास ह्राडेकी ने कई शानदार बचाव किए।

दूसरे हाफ में एक बार फिर लेवरकुसेन ने अटैक करना शुरू किया और ग्रैनिट ज़ाका ने 60वें मिनट में टीम की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने 68वें मिनट में एक शक्तिशाली शॉट के साथ टीम की बढ़त 3–0 की। इतना ही नहीं उन्होंने हैट्रिक जमाते हुए 83वें और 90वें मिनट में अपनी टीम के लिए ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ लेवरकुसेन प्रतियोगिताओं में 43 मैचों से अजेय के अपने रिकॉर्ड पर कायम है। टीम के लिए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें इस सीज़न में बुंडेसलीगा में 29 मैचों की अजेय श्रृंखला शामिल है। साथ ही उन्होंने अपने नाम रिकॉर्ड 79 अंक अर्जित किए हैं।

फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने कहा, मुझे अभी भी एहसास नहीं हो रहा है कि हमने क्या हासिल किया है।

जोनास हॉफमैन ने कहा, यह अविश्वसनीय है और इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैंने इसे सपने में भी नहीं सोचा था।

अलोंसो की टीम इस सीज़न में दो और खिताब जीत सकती है क्योंकि यूईएफए यूरोप लीग और जर्मन कप अभी भी उनकी दावेदारी में हैं।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा: टोक्यो में लाल था; कंपनी बोली- ट्रैक मैटीरियल से एथलीट्स की परफॉर्मेंस सुधरेगी

नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज और पूर्व ओलिंपियन एलेन ब्लोंडेल ने कहा है कि ट्रैक का रंग बैंगनी देने की वजह यह है कि बैंगनी कलर पेरिस ओलिंपिक खेल के रंगों में से एक है। हाल ही ओलिंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलिंपिक खेल के लिए तीन रंगो को चयनित किया था। जिसमें गुलाबी, नीला और बैंगनी कलर शामिल थे। इटली में तैयार गया है ट्रैक का मटेरियल पेरिस ओलिपिंक के एथलेटिक्स ट्रैक के मटेरियल इटली में तैयार किया गया है। 1976 के बाद से ओलिंपिक के लिए ट्रैक तैयार करने वाली कंपनी मोंडो का मानना है कि ट्रैक पहले से ज्यादा बेहतर होंगे। इससे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। टोक्यो ओलिंपिक में बने थे तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड टोक्यो ओलिंपिक में एथलेटिक्स में तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड और 10 ओलिंपिक रिकॉर्ड बने थे। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज एलेन ब्लोंडेल ने कहा कि पेरिस में टोक्यो से ज्यादा रिकॉर्ड बनेंगे। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से होगा शुरू पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। भारत को टोक्यो में पहली बार एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल मिला था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में भारत के लिए ओलिंपिक में ट्रैक एंड फील्ड में पहली बार मेडल जीता था।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर है डच टीम के नाम, 100 रनों के अंदर सिमटी हैं कई टीमें

नई दिल्ली । जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों में सभी टीमें लगी हुई हैं।

टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के अब तक के सफर में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड डच टीम नीदरलैंड के नाम दर्ज है। हैं। टी20 विश्व कप में अब तक कई टीमें 100 रनों के अंदर भी आउट हुई है। इसमें सबसे कम स्कोर नीदरलैंड का है। वह एक बार 10 ओवर में 79 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं इसमें भारतीय टीम का सबसे कम स्कोर 79 रन रहा है। तब श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड की टीम 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। बांग्लादेश में हुए इस मैच में नीदरलैंड का केवल एक बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाया था जबकि 5 बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना पाये थे। श्रीलंका ने तब 5 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे छोटा स्कोर है। वहीं दूसरा सबसे छोटा स्कोर भी डच टीम के नाम ही है. 2021 के टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 44 रनों पर आउट कर दिया था।

मयंक के पास है अच्छी गति और नियंत्रण: साउदी

मुम्बई । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक ने आईपीएल सत्र के अपने पहले ही मैच में सबसे तेज गेंद फेंकी थी। इस दौरान मयंक ने अपनी लाइन, लेंथ और स्पीड के कारण सभी का ध्यान खींचा था। इसी को लेकर मयंक की प्रशंसा करते हुए साउदी ने कहा है कि कई खिलाड़ियों के पास गति होती है पर नियंत्रण नहीं होता जबकि मयंक के पास दोनो ही हैं। साउदी ने कहा, मुझे लगता है कि उसकी गति के साथ उसमें जो चीज बहुत अच्छी लगती है। वह है उसका नियंत्रण। बहुत से खिलाड़ी जिनके पास इतनी तेज़ गति होती है अपने पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं पर मयंक के पास गति के साथ-साथ नियंत्रण भी है। मैं न केवल आईपीएल में, बल्कि उसके बाद भी उसे खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं। मयंक अपने करियर के दौरान टखने और हैमस्ट्रिंग की चोटों से भी परेशान रहे थे। इसकी कारण वह पिछला सत्र नहीं खेल पाये थे। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ इस सत्र में अपना आईपीएल पदार्पण किया था और 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। आरसीबी के खिलाफ अपने दूसरे आईपीएल मैच में इस गेंदबाज ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे जिसमें उन्होंने 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इस आईपीएल की सबसे तेज गेंद भी फेंकी थी।

लीग विनर्स बनने के लिए मुम्बई सिटी और मोहन बागान सुपर जायंट में होगी वर्चस्व की जंग

कोलकाता।

मोहन बागान सुपर जायंट और मुम्बई सिटी एफसी के बीच साल्ट लेक स्टेडियम में वर्चस्व की जंग होगी, जो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 का लीग विनर तय करेगी। आइलैंडर्स ने अपने पिछले सभी पांच गेम जीते और 21 मैचों में 47 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर हैं। उनके ठीक पीछे मोहन बागान सुपर जायंट हैं, जिनके 21 मैचों में 45 अंक हैं।

यहां जीत से मैरिनर्स के 48 अंक हो जाएंगे और वें आइलैंडर्स को पछाड़कर लीग विनर बन जाएंगे। मैरिनर्स की हार से आइलैंडर्स पांच अंकों के अंतर से लीग विनर शील्ड उठा लेंगे। यहां तक कि एंटोनियो लोपेज हाबास के मैरिनर्स के लिए स्टैंडिंग में ड्रा खेलना भी हार के समान होगा। लीग की स्थिति फिलहाल आईएसएल 2020-21 जैसी ही है। उस समय भी, लीग शील्ड के लिए लड़ाई लीग दौर के अंतिम दिन तक चली थी, जिसमें अपने तत्कालीन कोच सर्जियो लोबेरा की देखरेख में मुम्बई सिटी एफसी ने मौर्टाडा फॉल और बार्थोलोम्यू ओग्बेचे के पहले हाफ के गोलों के दम पर हबास के मैरिनर्स को 2-0 से हराया था। क्या मुम्बई सिटी एफसी इस साल वो कारनामा दोहराएगी, या हबास अपना बदला लेंगे क्या है दांव पर मोहन बागान सुपर जायंट : मोहन बागान सुपर जायंट का प्रदर्शन आक्रमण के साथ डिफेंस में भी काफी अच्छा रहा है। मैरिनर्स ने अपने पिछले दो मैचों में क्लीन शीट रखी है।

उन्होंने अपने पिछले पांच घरेलू मैचों में से प्रत्येक में गोल दागे हैं। मोहन बागान सुपर जायंट (501) मौजूदा सीजन में विपक्षी बॉक्स में 500 प्लस टच लेने वाली दो टीमों में से एक है (एफसी गोवा - 591)। दो टच लेते ही मुम्बई सिटी एफसी (498) इस आंकड़े को छूने वाली तीसरी टीम बन जाएगी। उपरोक्त तथ्य से स्पष्ट हैं कि यहां बराबरी का मुकाबला होने वाला है, जिसमें भरपूर आक्रामक अंदाज और रक्षात्मक अनुशासन दिखना तय है। मुम्बई सिटी एफसी मुम्बई सिटी एफसी मैरिनर्स के खिलाफ अपने पिछले आठ मैचों में अपराजित रही है, इन मुकाबलों में उन्होंने छह जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि आइलैंडर्स ने मोहन बागान सुपर जायंट की आक्रामकता पर नकेल कस रखी है। उदाहरण के लिए, मुम्बई सिटी एफसी ने अपने पिछले पांच अवे मैचों में चार क्लीन शीट रखी हैं।

मोहन बागान सुपर जायंट के पास लिस्टन कोलासो और मनवीर सिंह जैसे तेज-तर्रार विंगर हैं, जो दोनों छोरों से अपने क्रॉस के साथ घातक हो सकते हैं। हालांकि, आइलैंडर्स ने इस सीजन में केवल एक बार क्रॉस से गोल खाया है, जो सभी टीमों में सबसे कम है।

हमारी यह रणनीति काम आई, श्रेयस अय्यर ने लखनऊ को एकतरफा अंदाज में रौंदने के बाद किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स ने आईपीएल 2024 के 28वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 26 गेंदें शेष रहते 8 विकेट से मात दी। इस तरह केकेआर ने अपने फैंस को नव वर्ष पर जीत का तोहफा दिया। श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद खुलासा किया उनकी एक रणनीति लखनऊ के खिलाफ कारगर साबित हुई। बता दें कि ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 161/7 का स्कोर बनाया। जवाब में केकेआर ने 15.4 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के साथ केकेआर आईपीएल 2024 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। स्थिति को हल्के में नहीं ले सकते: अय्यर कोलकाता नाइटराइडर्स ने लगातार पांचवां मुकाबला अपने घर में खेला। उसने इसमें से चार मैच जीते। जब अय्यर से पूछा गया कि लगातार घर में पांच मैच खेलने के बारे में क्या कहेंगे तो उन्होंने जवाब दिया, यह फायदेमंद है, लेकिन मैं हमेशा बोलता हूं कि आईपीएल मजेदार टूर्नामेंट है और आपको वर्तमान में रहने की जरुरत है।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी दोनों बिलकुल साधारण, सुनील गावस्कर ने ऑलराउंडर को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस का कप्तान बनने के बाद हार्दिक पांड्या की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम पर आईपीएल 2024 के 29वें मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों 20 रन की शिकस्त सहनी पड़ी।

हार्दिक पांड्या के लिए बुरा फैसला रहा कि उन्होंने सीएसके की पारी का आखिरी ओवर करने की जिम्मेदारी उठाई, जिसमें 26 रन खर्च किए। सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने हार्दिक पांड्या की लगातार तीन गेंदों में तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद महान सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी की जमकर आलोचना की है।

केविन पीटरसन ने भी नहीं बख्शा

सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन स्टार स्पोर्ट्स पर पैनल के रूप में पारी का विश्लेषण कर रहे थे। तभी दोनों ने हार्दिक पांड्या की आलोचना की। केविन पीटरसन ने कहा कि हार्दिक पांड्या पर दर्शकों की हूटिंग का असर पड़ रहा है।

हार्दिक ऐसा नहीं चाहेंगे

केविन पीटरसन ने साथ ही कहा, मैं भी लोगों के निशाने पर रहा हूं। मैं कह सकता हूं कि दर्शकों का बर्ताव आपको प्रभावित करता है। हार्दिक पांड्या के साथ जो हो रहा है, जैसी हूटिंग हो रही है, वो उनको दुख पहुंचा रही है। हार्दिक पांड्या की भावनाएं हैं। वो भारतीय खिलाड़ी हैं। वो इस तरह का बर्ताव नहीं चाहेंगे। ऐसा होने से उनके क्रिकेट और उन पर प्रभाव पड़ रहा है। कुछ करने की जरुरत है।

फ्लॉप रहे पांड्या

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 4 ओवर में 43 रन खर्च करके दो विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में भी वो कुछ खास नहीं कर सके और केवल 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मुंबई इंडियंस को सीएसके के हाथों 20 रन की शिकस्त मिली और वो प्वाइंट्स टेबल में आठवें स्थान पर है।

पलक ने शूटिंग में जीता 20वां ओलिंपिक कोटा

आईएसएसएफ फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

बेंगलुरु ।

पलक ने रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आईएसएसएफ फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ ही भारत के लिए 20वां पेरिस 2024 ओलिंपिक कोटा हासिल किया। 18 साल की पलक ने 217.6 का स्कोर किया। वहीं आर्मेनिया की एल्मिरा करापेटियन ने 240.7 के स्कोर के साथ गोल्ड जबकि थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा ने 240.5 के साथ सिल्वर मेडल जीता। वहीं भारतीय शूटर सान्याम 176.7 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

गोल्ड जीतने वाली शूटर ने पहले ही हासिल कर लिया था ओलिंपिक कोटा

फाइनल में पलक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वहीं थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा और हंगरी की मेजर वेरोनिका ने ओलिंपिक कोटा के लिए हो रही प्रतियोगिता में शुरुआत में ही अच्छी बढ़त बना ली। हालांकि, दबाव के बाद भी पलक ने वापसी करते हुए एलिमिनेशन स्टेज के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। वेरोनिका को पांचवें राउंड में हार का सामना करना पड़ा और उन्हें चौथे स्थान से संतुष्ट होना पड़ा। वहीं पहले स्थान पर रही एल्मिरा करापेटियन पहले ही ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुकी थी, ऐसे में सिल्वर जीतने वाली साएंचा और ब्रॉन्ज जीतने वाली पलक को ओलिंपिक कोटा मिल गया। पलक एशियन गेम्स में जीत चुकी हैं मेडलपलक गुलिया ने पिछले साल हुए एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल जीता था। जबकि भारत की ईशा सिंह ने सिल्वर मेडल जीता था।

टी20 विश्वकप के लिए पांड्या से अधिक मजबूत है शिवम की दावेदारी: मनोज तिवारी

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। तिवारी के अनुसार आगामी टी20 विश्वकप में इस क्रिकेटर को जरुर जगह मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए उसकी दावेदारी मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या से अधिक मजबूत है। इसलिए अगर चयन के समय उसे पांड्या से अधिक वरीयता मिली चाहिये। तिवारी के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में पांड्या का प्रदर्शन कोई विशेष नहीं रही रहा है। बल्लेबाजी में वह रन नहीं बना पाये हैं इसके अलावा गेंदबाजी भी काफी कम की है। उन्होंनें पिछले तीन मैचों में केवल एक ओवर ही किया है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक को टी20 विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें अपने को साबित करन होगा। साथ ही कहा कि अब तक हार्दिक ने इस सत्र में काफी रन दिये हैं। ऐसे अबर वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहते हैं, तो उन्हें आने वाले मैचों में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इसके साथ ही तिवारी ने यह भी कहा किया कि अगर शिवम को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलती है तो इसके लिए सीएसके जिम्मेदार मानी जाएगी क्योंकि सीएसके उन्हें

गेंदबाजी के अवसर नहीं दे रही। साथ ही कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर हमें साहसी फैसले लेते है। ऐसे में वह शायह ही हार्दिक को अवसर दें। साथ कहा कि हार्दिक अगर अच्छा नहीं खेल रहे हैं तो उनके विकल्प के तौर पर शिवम को तैयार किया जाना चाहिये। उन्होंने शिवम को एक चालाक गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, एक समय हमारे पास वेंकटेश अय्यर भी थे। अचानक दोनों ने गेंदबाजी करना बंद कर दिया। हमें बड़े लक्ष्य को देखना चाहिए। हम एक दशक से विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। इसलिए हमें उसके लिए समय से पहले योजना बनानी होगी। अभी हार्दिक फॉर्म में नहीं हैं और शिवम को आईपीएल में गेंदबाजी के अधिक अवसर नहीं मिले हैं।

चयन ट्रायल में विनेश को हराने वाली अंजू ने जीता रजत, हर्षिता भी स्वर्ण से चूकीं

बिश्केक ।

हाल ही में चयन ट्रायल में भारत की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट को 53 किग्रा वर्ग में हराकर सुर्खियां बटोरने वाली रेलवे की पहलवान अंजू और हर्षिता ने किर्गिस्तान के बिश्केक में एशियन चैंपियनशिप में अपने-अपने वर्गों में रजत पदक जीता। इन दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनाई थी और उम्मीद थी कि वे स्वर्ण पदक लाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और दोनों पहलवानों को रजत से संतोष करना पड़ा।

अंजू फाइनल में बरकरार नहीं रख सकीं लय

अंजू ने फाइनल मुकाबले को छोड़कर हर राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। रेलवे की पहलवान अंजू ने फिलीपींस की आलिया रोज गावलेज और श्रीलंका की नेथमी अहिंसा फर्नांडो पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की थी। सेमीफाइनल में हालांकि उन्हें चीन की चेन लेई से

कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह यह मुकाबला 9-6 से जीतने में सफल रही थीं। फाइनल में अंजू का सामना उत्तर कोरिया की जि हयांग किम से हुआ, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह रही कि अंजू फाइनल में एक भी अंक अर्जित नहीं कर सकीं और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबला में हार मिली। हर्षिता को चीन की प्रतिद्वंद्वी ने हराया हर्षिता का सफर अंजू की तुलना में संघर्षपूर्ण रहा था और फाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने तीन अंक गंवाए थे। हर्षिता ने उज्बेकिस्तान की ओजोदा जरीपबोएवा को तकनीकी श्रेष्ठता (13-3) से हराने के बाद कजाखस्तान की अनास्तासिया पानासोविच को 5-0 से हराया। फाइनल उनका मुकाबला चीन की कियान जियांग से हुआ। हर्षिता 72 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की प्रतिद्वंद्वी के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकीं और उन्हें 2-5 से हार का सामना करना पड़ा।

सरिता मोर शुरुआती दौर में ही हुई बाहर

भारत को इस चैंपियनशिप में सबसे बड़ा झटका अनुभवी महिला पहलवान सरिता मोर के शुरुआती दौर में हारकर लगा। 2021 विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सरिता अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला मंगोलिया की गुंटया एनखबत से 4-8 से हार गईं। 28 वर्षीय यह महिला पहलवान इस श्रेणी में पदक लाने की प्रबल दावेदार थीं। सरिता को हराने के बाद एनखबत अपना सेमीफाइनल मुकाबला हार गईं जिससे सरिता मोर के लिए रेपचेज में खेलने का रास्ता भी बंद हो गया। इस तरह सरिता इस चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटीं।

भारतीय पहलवानों ने जीते कुल छह पदक

भारतीय पहलवान भले ही इस चैंपियनशिप में एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत सके, लेकिन भारतीय पहलवान ने कुल छह पदक जीते। भारत ने इन चैंपियनशिप में तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते। महिलाओं में राधिका ने 68 किग्रा में रजत पदक जीता था, जबकि शिवानी पवार को कांस्य से संतोष करना पड़ा था। पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में उदित (57 किग्रा) ने रजत पदक जीता, जबकि अभिमन्यु (70 किग्रा) और विकी (97 किग्रा) ने अपने-अपने वर्गों में कांस्य पदक जीते।

बच्चे अपने पापा से ही सीखते हैं ये बातें

हर बच्चे के जीवन में माता-पिता की एक खास जगह होती है। बच्चे अपने पैरेंट्स से बहुत कुछ सीखते है। एक तरफ जहां बच्चा अपनी मां के बिना अधूरा होता है वहीं पिता के बिना भी उसकी जिंदगी के मायने बदल जाते है। बच्चे हमेशा चाहते हैं कि वह अपने पिता जैसे अच्छे इंसान बनें। कुछ बातें ऐसी होती हैं जो बच्चा सिर्फ अपने पिता से ही सीख पाता है। आज हम आपको बताते हैं कि ऐसी कौन सी बातें हैं जो बच्चा अपने पिता से सीखता है।

1. बच्चे अक्सर गलतियां करते हैं जिसे पिता माफ कर देते है। ऐसे में बच्चे अपने पिता से ही दूसरों की गलतियों को माफ करना सीखते है।

2. बचपन से बच्चे अपने पिता को मेहनत करते देखते है। वे देखते हैं कि कैसे उनके पिता उनकी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जीतोड़ मेहनत करते है।

3. पिता को परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल होता है। हर परेशानी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पिता से ही जिम्मेदारी निभाने का गुण सीखते है।

4. एक पिता ही होता है जो परिवार पर आई मुसीबत का डट कर सामना करता है। ऐसे में बच्चे भी सीखते है कि किसी भी मुसीबत आने पर हारना नहीं बल्कि उसका सामना करना चाहिए।

घबराहट के कारण बढ़ने वाली हार्टबीट को तुरंत करें कंट्रोल!

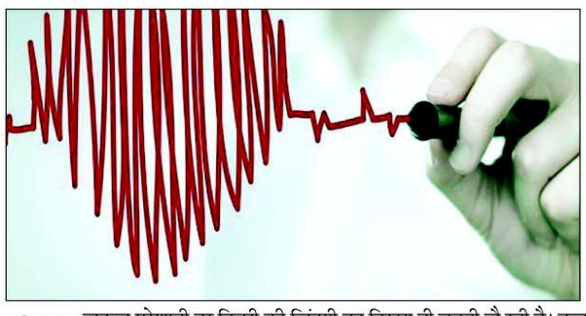

आजकल परेशानी हर किसी की जिंदगी का हिस्सा ही बनती जै रही है। कुछ लोग तो छोटी से छोटी बात को लेकर भी चिंता में डूबे रहते हैं। इसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जिससे घबराहट और कई बार तो दिल की धड़कने भी बढ़ने लगती हैं। वैसे तो दिल की धड़कनों का बढ़ना कोई रोग नहीं है लेकिन इससे शरीर में कमजोरी आ जाती है। आपको भी इसी तरह की कोई परेशानी है तो सबसे पहले खुश रहना शुरू कर दें। बात-बात की चिंता को छोड़ कर जिंदगी में आगे बढ़े और परेशानियों का सामना करें। घबराहट के कारण तेज होनी वाली दिल की धड़कनों को दूर करने के लिए आप घरेलू तरीका भी अपना सकते हैं।

राई है फायदेमंद

छोटे-छोटे दानों जैसी राई का इस्तेमाव ज्यादातर अचार बनाने के लिए होता है लेकिन यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह घबराहट से बढ़ने वाली दिल की धड़कन को ट्रोल करने में भी मददगार है।

इस तरह करें इस्तेमाल

इस परेशानी में मुट्ठी भर राई लेकर पीस लें। इस पीसी हुई राई को हाथों-पैरों पर मल लें। इससे हार्ट बीट नार्मल हो जाएगी।

तुलसी के फायदे

सर्दी-खांसी बीमारियों में भी एक कारगर औषधि है। जो 24 घंटे हमें ऑक्सीजन देता है। याददाश्त के लिए तुलसी बहुत फायदेमंद है। रोजाना 4-5 पत्तियों को पीसकर शहद के साथ मिलाकर खाली पेट सेवन करें। इससे याददाश्त बढ़ेगी। दांत में दर्द है तो भी तुलसी उपयोगी है। तुलसी के पत्तों में मिर्च को पीसकर थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। इसे रूई में लपेटकर दांतों में लगाने से पायरिया या दांत में दर्द की शिकायत दूर होगी।

शरीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए करें बर्पी योग

मांसपेशियों को मजबूत और शरीर को चुस्त बनाने के लिए बर्पी फायदेमंद और असरदार एक्सरसाइज है। एक अकेली बर्पी एक्सरसाइज में स्कवाट, पुश-अप और जंपिंग जैक तीनों ही एक्सरसाइज हो जाती हैं। इन तीनों ही एक्सरसाइज को आपको एक ही सेट में करना होता है। सबसे पहले दोनों हाथों में हल्के डम्बल लेकर हाथों को जमीन पर रखकर स्क्वाट की स्थिति में आना होता है। स्क्वाट की स्थिति में आने के बाद एक हाथ को मोड़ते हुए ऊपर लाना होता है और फिर वापस नीचे ले जाना होता है। इसी तरह दूसरे हाथ से भी इस प्रक्रिया को दोहराना होता है।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी त्वचा का ख्याल

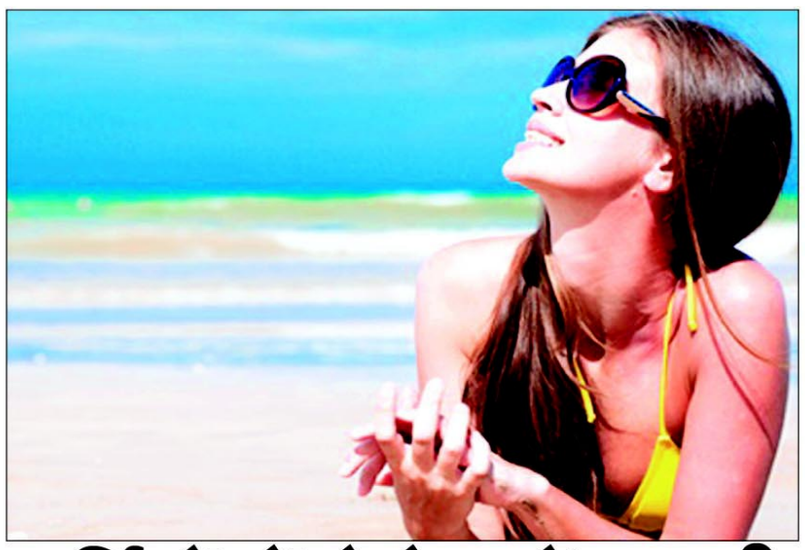

गर्मियों में अपनी सेहत के सात-साथ अपनी त्वचा की देखभाल भी करना आवश्यक है। धूप से तो बचाव करना जरूरी है ही, पसीने के साथ-साथ उमस से भी लढ़ना होता है। खास तौर पर हमारे यहां, मई-जून तो कुछ ज्यादा ही गर्म हुआ करते हैं। जब उमस न हो तो गर्मियों का रूखापन परेशान करता है। ऐसे में सन-बर्न के साथ-साथ धूल और पसीने से बचाव करना जरूरी हो जाता है, ताकि त्वचा पर झाइयां, पिंपल आदि से बचाव किया जा सके। जिस तरह सर्दियों में त्वचा की देखभाल की जरूरत होती है, उसी तरह गर्मियों में भी होती है। हर मौसम में स्किन की देखभाल के तरीके अलग हुआ करते हैं। देखें कि गर्मियों में किस तरह से अपनी स्किन की देखभाल कर सकते हैं।

त्वचा की सफाई

गर्मी और उमस के चलते स्किन की सिबेशस ग्लैंड को ज्यादा काम करना पड़ता है। इसलिए गर्मियों में त्वचा पर ज्यादा चिकनाई दिखाई देती है। यह तब और ज्यादा हो जाती है जब मौसम में नमी हो। तेल ग्रंथि के ज्यादा सक्रिय रहने से त्वचा के रोमछिद्र बंद होने लगते हैं और इससे गंदगी भीतर ही रह जाती है। यदि आपको एक्ने की समस्या है तो जिंक ऑक्साइड युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट का चुनाव करें। एक्टिवेटेड चारकोल फेस मास्क त्वचा की गंदगी निकालने में बहुत प्रभावी हुआ करते हैं। तेल और टॉक्सिन चारकोल से बाहर निकल आते हैं और बंद रोमछिद्र खुलने लगते हैं। ध्यान रखें कि आपकी त्वचा के रोमछिद्र साफ हो और आपकी त्वचा टाइट, ताकि वह आपके चेहरे को एकदम फ्रेश लुक दे। इसलिए आप हर दिन त्वचा की सफाई करें। खास तौर पर गर्मी या उमस के मौसम में।

त्वचा में नमी

यह सही है कि इस मौसम में त्वचा की तेल ग्रंथि सक्रिय हो जाती है लेकिन यह भी सही है रूखा मौसम आपके चेहरे से नमी भी चुरा लेता है। त्वचा से नमी कम होने से आपकी त्वचा सूखे पत्ते या फिर सैंडपेपर जैसी खुरदुरी हो जाती है। यदि पहले से ही आपकी त्वचा रूखी है और इस मौसम में आप एसी में ही रहते हैं, तब तो आपको अपनी त्वचा की खास देखभाल की जरूरत है। एसी में आपकी त्वचा ज्यादा रूखी हो जाती है। इसलिए जरूरत है कि आप अपनी स्किन को नम रखें। रूखी त्वचा पर झुर्रियां पड़ने का खतरा है। इसलिए निरंतर अपनी त्वचा को नम रखें।

आप ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, यह तो जरूरी है ही, लेकिन यह काफी नहीं है। आपको अपनी त्वचा से नमी खोने को भी बचाना है। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे उत्पादों का चुनाव करें जो आपकी त्वचा को स्वस्थ खें। त्वचा को नमी देने वाला मॉइश्चराइजर का चुनाव करें। लेनोलिन, पेट्रोलियम जैली, जिंक ऑक्साइड आपकी त्वचा की नमी को बचाए रखने में मदद करती है। ग्लिसरीन, हायल्यूरोनिक एसिड, लैक्टिक एसिड त्वचा की आंतरिक परत के वॉटर मॉलिक्यूल्स को आकर्षित करती है। जोजोबा और दूसरी तरह के तेल स्किन सेल्स के क्रैक भरते हैं और त्वचा को ज्यादा मुलायम बनाते हैं। तो अपने लिए मॉइश्चराइजर का चुनाव करते हुए इन इंग्रीडिएंट्स का ध्यान जरूर रखें।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स

गर्मियों के मौसम में अलग तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना होता है। बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें। दोनों में एसपीएफ की मात्रा देख लें। धूप में जाने की वजह से आपकी त्वचा फोटोसेंसिटिव हो जाती है जिसकी वजह से हायपर पिगमेंटेशन होने का डर बना रहता है। यदि आप रेटिनॉल का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे गर्मियों में बंद कर दें। इसकी वजह से हायपरपिगमेंटेशन की प्रक्रिया बढ़ सकती है। यदि मौसम में उमस का अनुभव हो रहा है तो लाइट हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। यह रोमछिद्रों के लिए अच्छा होता है और इससे त्वचा स्वस्थ रहती है। दिन में वॉटर बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। रात में चाहें तो ऑइल बेस्ड मॉइश्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं।

एसपीएफ का उपयोग

सूर्य की किरणों से त्वचा को नुकसान तो होता ही है, साथ ही इससे समय से पहले त्वचा पर उम्र के निशान नजर आने लगते हैं। एसपीएफ 50 वाला सनस्क्रीन लोशन घर से निकलने से 15 से 20 मिनट पहले लगा लें और फिर हर 2 घंटे में इसे लगाते रहें। रूखी और संवेदनशील त्वचा के लिए मिनरल सनस्क्रीन अच्छा विकल्प है। रूखे मौसम में टाइटेनियम डायऑक्साइड और जिंक ऑक्साइड वाला सनस्क्रीन उपयोग करें। ये यूवी किरणों से त्वचा का बचाव करते हैं। तैलीय त्वचा के लिए नॉन-ग्रीसी सनस्क्रीन लोशन चुनें। वह भी लिक्विड या फ्लूइड हो। सोते समय सनस्क्रीन पूरी तरह से रिमूव करें ताकि रोमछिद्र खुलें और आपकी त्वचा को सांस लेने का मौका मिले।

जूतों की बदबू को कहें बाय-बाय

यूं तो बहुत से लोग गर्मियों में जूते पहनने से परहेज करते हैं और सैंडिल या स्लीपर ही पहनना ही पसंद करते हैं लेकिन कई बार जूते पहनना मजबूरी हो जाती है। गर्मी के मौसम में जूते पहनने को लेकर कई तरह की सावधानियां रखनी पड़ती हैं। इस मौसम में जूतों से बदबू आना एक सामान्य बात है।

यही वह मौसम है जब हमें बहुत अधिक सावधानी से रहना होता है। इस मौसम में पैरों से बदबू आना एक सामान्य बात है। पैरों से बदबू आने का मुख्य कारण बैक्टीरिया होते हैं लेकिन जिन लोगों को बहुत अधिक पसीना आता है या फिर जो लोग बहुत गंदे से रहते हैं, उनके जूते से भी बदबू आना शुरू हो जाती है।

इन तरीकों को अपनाकर आप भी जूतों की बदबू को दूर कर सकते हैं-

1. संभव हो तो दो जोड़े जूते रखें और उन्हें बदल-बदलकर पहनें। हर रोज एक ही जूता पहनने से परहेज ही करें। ऐसा करने से जूतों की नमी सूख जाएगी और बदबू पैदा नहीं होगी।

2. अपने जूतों के भीतर मेडिकेटेड इन-सोल लगाएं। इससे पसीना जल्दी सूख जाएगा और बैक्टीरिया पनपने की आशंका भी कम हो जाएगी।

3. बाहर से लौटने के बाद जूते में पेपर बॉल या फिर पेपर भर दें। अखबार अंदर की सारी नमी सोख लेता है जिससे बैक्टीरिया पनपने नहीं पाते हैं।

4. जूतों में बेकिंग पाउडर डालकर छोड़ दें। इससे नमी भी सूख जाएगी और बदबू भी नहीं आएगी।

सलाह

मॉर्निंग वॉक को बेहतर बनाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

दिन की शुरुआत अगर अच्छी हो तो पूरा दिन अच्छा गुजरता है। इसलिए सुबह की सैर करना शरीर के लिए बहुत ही अच्छा है। सुबह दौड़ने से हमारे शरीर में खून का संचार ठीक ढंग से होता है और आप सारा दिन तरोताजा महसूस करते है। सुबह कम से कम 30 मिनट तक दौड़ना एक तरह से जिम जाने के बराबर ही शरीर को फिट और स्वस्थ रखता है। लेकिन,या आप सैर करने का सही तरीका जानते है। आइए आज आपको बताते है कुछ ऐसे टिप्स जिन्हें अपनाकर आप दोगुना फायदा उठा सकते हैं।

1.खूब पानी पिएं

सैर पर जाने से पहले कम से कम 1 गिलास पानी जरूर पी लें , इससे शरीर का तापमान नॉर्मल रहेगा।

2.गति धीमी रखें

सैर की शुरूआत धीरे-धीरे करें इसके बाद अपने चलने की गति बढ़ाएं। इससे जल्दी थकावट नहीं होगी।

3.शांत वातावरण

सैर पर जाने के लिए एक शांत और खुला स्थान चुनें । जहां आस पास हरियाली हो इससे आपको ठंडी और स्वच्छ हवा मिलेगी। जो आपके दिमाग को फ्रैश रखने में मदद करेगी।

4.डॉक्टर की सलाह

दिल की समस्या या हाई लड प्रैशर के रोगी को सैर शुरू करने से पहले डॉटर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

5.तनाव न रखें

सैर के दौरान किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव न रखें और अपने साथ मोबाइल न लें।

6.आरामदायक जूते

आरामदायक जूते पहन कर ही सुबह की सैर करें इससे चलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

7. निश्चित समय

अगर आप अच्छी सेहत पाना चाहते हैं तो तीन पैतालिस मिनट सैर जरूर करे। इससे आपकी सेहत तो बनी ही रहेगी साथ ही आपके चेहरे पर भी चमक आएगी।

8.व्यायाम जरूर करें

सैर करने से पहले व्यायाम करना न भूलें। इससे खून में संचार होगा जो सैर करने में मदद करेगा।

कौन से फुटवियर जचेंगे, आप पर ऐसे करें चयन

कौन से फुटवियर जचेंगे आप पर ऐसे करें सेलेक्ट सेलेक्ट फुटवियर का चुनाव करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना बहुत जरुरी होता है। वरना एक गलत चुनाव आपके अच्छे खासे बॉडी शेप के लुक को बिगाड़ सकता है। शूज़ सेलेक्ट करते ये दुविधा बनी रहती है कि कौन से स्टाइल के शूज उन पर सूट करेंगे और कौन से नहीं।

इसी कंफ्यूजन में कई बार हम गलत शूज का चुनाव कर बैठते हैं जो कहीं न कहीं हमारे लुक को भी बिगाड़ देता है साथ ही हमारे कंफर्टेबिलिटी को भी प्रभावित करता है। कभी-कभी कोई शूज़ आपकी बॉडी पर दूसरों की अपेक्षा ज्यादा सूट करता है इसलिए आपको अपने स्टाइल को सूट करता शूज, सही कलर में चूज करना जरुरी होता है जो आपको ग्लैमरस लुक देता है। अल्टीमेटली आपका लक्ष्य खुद को बैलेंस दिखाना होता है जिसमें आपके फुटवेयर की भी अहम भूमिका होती है। उदाहरण के तौर पर यदि आपके कंधे बहुत ही सेक्सी हैं तो आपको ऐसे फुटवेयर की जरुरत होगी जो आपके कर्व को एक्सपोज करे। यहां अलग अलग बॉडी टाइप के लिए फुटवेयर सेलेक्शन के कुछ टिप्स दिये जा रहे हैं।

होराइजोंटल बॉडी शेप

ऐसे बॉडी शेप के लिए हमेशा ध्यान में रखे कि आपकी अपर बॉडी शेप चौड़े आकार की है तो हील्स का सेलेक्शन जहां तक हो सके अवॉइड ही करें। हमेशा फ्लैट फुटवेयर का चयन करें।

वाइड लोवर बॉडी

अगर आपका बॉडी शेप इस प्रकार का है कि आपके कमर के नीचे का हिस्सा जैसे कि आपके हिप्स और आपके पैर चौड़े आकार में है तो ऐसे फुटवेयर और कलर का चयन करें जो आपके इस बॉडी पार्ट को हाइलाईट करने से बचा सके। ऐसे में आपको बेसिक पम्प्स का सेलेक्शन करना चाहिए।

वर्टिकल बॉडी शेप

इस प्रकार के बॉडी शेप वाली महिलायें विभिन्न प्रकार के फुटवेयर ट्राई कर सकते हैं। बशर्ते आप अपने पैरों के स्केल को ध्यान में रखते हुए शूज का चुनाव करें। अगर आप अपने लंबे और पतले पैरों को लेकर थोड़ी परेशान हैं तो आपको फ्लैट शूज और राउंडेड टो शूज को लेकर स्टिक होना चाहिए।

स्ट्रेट/नैरो हिप्स

अगर आप एक स्ट्रेट फिगर रखती हैं तो आपके पास फुटवेयर सेलेक्ट करने के लिए काफी वेराईटी होंगी। आपका फोकस इस पर होना चाहिए कि ऐसे शूज़ का चुनाव करें कि जो आपकी बॉडी फ्रेम के अनुसार आपके कर्व को आकार देने में और हाइलाइट करने में आपकी मदद करें।

छोटे पैरों के लिए

ऐसे फुटवेयर को अवॉइड करें जो आपके पैरों को और भी छोटा दिखाते हों। फुटवेयर ऐसा होना चाहिए जो आपके बॉटम वेयर के साथ मिक्स हो जाए। व्हाइट शूज के साथ ब्ल्यु जीन्स खतरनाक च्वाइस हो सकती है लेकिन हील्स होने पर वे काम कर सकते हैं।

बैलेंस्ड बॉडी शेप के लिए

ड्रेसेस और लांग टॉप्स आपके पैरों को छोटा दिखा सकते हैं। लेकिन हील्स और शूज जो आपके बॉटम वेयर के साथ मिक्स हो जाते हों, आपको सही लुक दे सकते हैं। फुटवेयर सेलेक्ट करने का एक थंब रुल ये होता है कि आप अपने एड़ियों, अपने पांवों और अपने घुटने के नीचे के हिस्से के आकार को ध्यान में रखते हुए ही इसका चुनाव करें।

चौड़े पांवों के लिए

प्लेटफॉर्म हील्स में स्ट्रैप्स वाले फुटवेयर आपके पांवों को पतला दिखाने में आपकी मदद कर सकता है।

बेड टी के हैं बैड इफेक्ट भी, खाली पेट चाय पीने के हैं ये 4 नुकसान

चाय, एक ऐसा ड्रिंक जिसकी खुश्बू के साथ ही ज्यादातर घरों की सुबह होती है. शायद ही कोई घर होगा जहां चाय के नहीं बनती होगी या चाय के बिना नाश्ता होता हो. कुछ लोगों को तो चाय की इतनी आदत होती है कि वे दिन में कई कई बार चाय पीते हैं. तो कुछ बिना बेड टी के उठ भी नहीं सकते. बेड टी कई मायनों में आपकी सेहत के लिए बड होती है. चाय में कई तरह के ऐसिड होते हैं. खाली पेट चाय पी कर आप अपने पेट को सीधा नुकसान पहुंचाते हैं. इससे अल्सर या गैस जैसी परेशानियां बढ़ने की संभावना रहती है. एक नजर बेड टी के बैड इफेक्ट्स पर- अगर आप उन लोगों में से हैं, जो ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं और सोचते हैं कि इसके साथ ही आपके शरीर में दूध भी गया है, तो जरा रुकिए... खाली पेट ज्यादा दूध वाली चाय पीने से थकान का एहसास होता है. एक और बात जो आपको जाननी चाहिए वह यह कि चाय में दूध ड़ालते ही एंटीऑक्सीडेंट का असर खत्म हो जाता है. अब यदि आप यह सोचकर खुश हैं कि आप तो कम दूध वाली स्ट्रॉग टी पीते हैं. तो यह भी आपके लिए नुकसानदायक है. कड़क चाय पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है और यह आपको पेट से जुड़ी कई परेशानियां दे सकती है. अगर आप यह सोचकर खुश हो रहे हैं कि आप तो चाय खाने के बाद पीते हैं, तो भी इसके नुकसान कम नहीं. हम सभी जानते हैं कि चाय में टैनिन होता है. जो आहार में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकता है. इसलिए खाने के बाद चाय पीना आपके खाने के पोषक तत्वों को नष्ट कर सकता है. अगर आप दिन में चार से पांच बार चाय पीते हैं, तो अपनी इस आदत को जरा लगाम दें. बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने की आदत भी अच्छी नहीं. इससे फूड पाइप या गले का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है.

रेसिपी

ब्लूबेरी मफिन

सामग्री

- 2 1/2 कप मैदा
- 1 1/2 चम्मच बेकिंग पाउडर
- 1/2चम्मच बेकिंग सोडा
- 3/4 कप चीनी
- 1/4 चम्मच नमक
- 2 अंडे फेंटे हुए
- 1 कप छाछ
- 1/2 कप मक्खन
- 1 1/2 कप ब्लूबेरीज

विधि

एक बाउल में सारी सूखी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें। एक दूसरे बाउल में फैटें हुए अंडे,छाछ और मक्खन को पिघाल कर अच्छे से मिला लें। फिर इसमें मिक्स की हुई सारी सूखी सामग्री डाल दें और इसे अच्छे से मिलाएं ताकि गुठलियां न रह जाएं। अब इसमें ब्लूबेरीज डालकर मिक्स करें। अब गरीस किए हुए मफिन कप में थोड़ा थोड़ा बैटर डालें और 400 एफ पर 20-30 मिनट के लिए बेक करें। मफिनज तैयार है, इन्हें मोल्ड से निकालकर सर्व करें।

ऑरेन्ज केक

सामग्री

- 1 कप मैदा
- 3/4 चीनी पाऊडर
- 2 अंडे
- 1 छोटा चम्चम वनीला एसेंस
- 1 छोटा चम्मच तेल
- 1-1/2 बेकिंग पाऊडर
- 1 कप ऑरेन्ज पल्प (छिलका ना हो)

विधि

सबसे पहले एक कोटरे में अंडा डाल लें। उसके बाद इसमें वनीला एसेंस मिलाकर इसे अच्छे से मिला लें। अब चीनी पाऊडर, मैदा और बेकिंग पाऊडर डाल कर मिश्रण को अच्छे से ग्राइंड कर लें। एक गोल टीन का कटोरा लें उसमें सबसे पहले थोड़ा तेल लगा लें फिर थोड़ा मैदा छिड़क दें। अब सारा मिक्षण टीन के कटोरे में डाल दें। कुकर के अंदर कटोरा रख दें। पहले 2 मिनट गैस तेज रखे फिर उसके बाद गैस धीरे कर 25 मिनट कैक को पकने दें। (ध्यान रहे कि केक बनाते समय कुकर की सिटी का इस्तेमाल आप ना करें) 25 मिनट बाद गैस बंद कर दें और उसे 10 मिनट के लिए कुकर की भाप में केक को पकने दें। कुकर से केक को निकाल लें। आपका केक तैयार है। आप चाहे तो केक को क्रीम या फिर किसी और चीज से भी सजा सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**